twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 05 जुलाई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 229, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मोदी को मिला त्रिनिदाद और टोबैगो का सर्वोच्च सम्मान

यह सम्मान भारत के 140 करोड़ नागरिकों के लिए साझा गौरव का प्रतीक: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू ने अपने देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान द्यद ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगोद्घ से सम्मानित किया। यह सम्मान पाने वाले वे पहले विदेशी नेता हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी को किसी देश की ओर से मिला 25वां सम्मान है।

सम्मान ग्रहण करते हुए प्रधानमंत्री ने इसे न केवल सम्मान, बल्कि द्विपक्षीय संबंधों की नई जिम्मेदारी के रूप में भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो कैरी-कॉम (कैरेबियाई समुदाय) ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत का एक करीबी और भरोसेमंद साझेदार है। दोनों देशों का सहयोग विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के लिए उपयोगी है। प्रधानमंत्री ने समारोह में अपने उद्बोधन में सांस्कृतिक संबंधों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि दोनों देशों के रिश्तों में क्रिकेट का रोमांच और त्रिनिदाद पीपर का तड़का भी है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारतीय मूल के लोग त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय परंपरा, संस्कृति और मूल्यों को जीवित रखे हुए हैं। राष्ट्रपति कंगालू और प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को उन्होंने भारतीय समुदाय की सबसे बड़ी सांस्कृतिक प्रतिनिधि बताया। उन्होंने राष्ट्रपति कंगालू के तमिलनाडु से संबंध और संत तिरुवल्लुवर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संत तिरुवल्लुवर जी ने कहा था कि मजबूत देशों के पास 6 चीजें होनी चाहिए- वीर सेना, देशभक्त नागरिक, संसाधन, अच्छे जन प्रतिनिधि, मजबूत डिफेंस और ऐसे मित्र देश जो हमेशा साथ खड़े रहें। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की सरकार और जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत के 140 करोड़ नागरिकों के लिए साझा गौरव का प्रतीक है और दोनों देशों की गहरी मित्रता को दर्शाता है।

हम एक परिवार का हिस्सा हैं: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने कहा, " क्या आप कुछ याद कर सकते हैं क्या संयोग है! आज शाम आप सभी के बीच होना मेरे लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है। मैं प्रधानमंत्री कमला जी को उनके शानदार आतिथ्य और दयालु शब्दों के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं कुछ समय पहले ही हमिंग बर्ड्स की इस खूबसूरत भूमि पर आया हूं। और, मेरा पहला जुड़ाव यहां भारतीय समुदाय के साथ है। यह पूरी तरह से स्वाभाविक लगता है।

आखिरकार, हम एक परिवार का हिस्सा हैं। मैं आपकी गर्मजोशी और स्नेह के लिए आपका धन्यवाद करता हूं।" उन्होंने कहा, " जब मैं 25 साल पहले आखिरी बार आया था, तो हम सभी लारा के कवर ड्राइव और पुल शॉट की प्रशंसा करते थे। आज, सुनील नरेन और निकोलस पूरन हमारे युवाओं के दिलों में वही उत्साह जगाते हैं। तब से लेकर अब तक, हमारी दोस्ती और भी मजबूत हुई है।

बनारस, पटना, कोलकाता, दिल्ली भारत के शहर हो सकते हैं। लेकिन वे यहां की सड़कों के नाम भी हैं। नवरात्रि, महाशिवरात्रि, जन्माष्टमी यहां हर्ष, उत्साह और गर्व के साथ मनाई जाती है। चौताल और बैठक गण यहां आज भी फल-फूल रहे हैं।

एनपीएस के तहत मिलने वाले कर लाभ नई एकीकृत पेंशन योजना में भी मिलेंगे

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत सभी कर लाभों को नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए भी लागू करने का फैसला लिया है। एनपीएस के तहत उपलब्ध सभी कर लाभ यूपीएस पर लागू होंगे। नई पेंशन योजना को आसान बनाने के लिए पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने इस वर्ष 19 मार्च को जरूरी नियम और विनियम जारी किये थे। वित्त मंत्रालय के मुताबिक अब नवीनतम निर्णय के साथ सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि यूपीएस चुनने वाले कर्मचारियों को एनपीएस के तहत उपलब्ध समान कर राहत और प्रोत्साहन मिलेगा। इसमें योगदान पर कटौती और अन्य कर-बचत लाभ शामिल हैं, जो इस योजना को वित्तीय रूप से अधिक आकर्षक बनायेगा। यह निर्णय दोनों योजनाओं के बीच समानता लाएगा और पारंपरिक एनपीएस के बजाय यूपीएस चुनने वाले कर्मचारियों के लिए समान अवसर प्रदान करेगा। यूपीएस को कर ढांचे के अंतर्गत शामिल करना केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति सुरक्षा को मजबूत करने का प्रयास है। एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) भारत में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एक पेंशन योजना है, जिसे राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के साथ एक विकल्प के रूप में पेश किया गया है। इस योजना का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति के पश्चात पूर्वानुमानित और सुरक्षित अधिक आय प्रदान करना है। इस योजना में एक सुनिश्चित पेंशन के लिए सरकार कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 18.5 फीसदी और कर्मचारी 10 फीसदी योगदान देता है। यह योजना नए कर्मचारियों के साथ साथ एनपीएस लेने वाले पुराने कर्मचारियो एनपीएस छोड़ कर यूपीएस का विकल्प अपनाने की छूट देती है। एकीकृत पेंशन योजना को इस साल की शुरूआत में 1 अप्रैल से केंद्र सरकार की सिविल सेवाओं में शामिल होने वाले कर्मचारियों के लिए एनपीएस के तहत एक विकल्प के रूप में पेश किया गया था।

गिरमिटिया के बच्चे सफलता, सेवा, मूल्यों से परिभाषित होते हैं

पोर्ट ऑफ स्पेन/एजेंसी

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय की कथा उनके 'साहस की कहानी' है। भारतीय समुदाय के पूर्वजों ने जिन परिस्थितियों का सामना किया, वे सबसे मजबूत आत्माओं को भी तोड़ सकती थीं। बावजूद इसके उन्होंने उम्मीद के साथ कठिनाइयों का सामना किया। उन्होंने समस्याओं का डटकर सामना किया। गिरमिटिया के बच्चे अब संघर्ष से नहीं, सफलता, सेवा और मूल्यों से परिभाषित होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय के समक्ष उनके साहस और संघर्ष को रेखांकित किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने 03 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का मूल पाठ जारी किया है।

अपनी मिट्टी छोड़ी, लेकिन अपनी आत्मा नहीं

उन्होंने कहा, "आपके पूर्वजों ने गंगा और यमुना को पीछे छोड़ दिया, लेकिन अपने दिल में रामायण को लेकर आए। उन्होंने अपनी मिट्टी छोड़ी, लेकिन अपनी आत्मा नहीं। वे सिर्फ प्रवासी नहीं थे। वे एक कालातीत सभ्यता के संदेशवाहक थे। उनके योगदान ने इस देश को सांस्कृतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक रूप से लाभान्वित किया है। बस इस खूबसूरत देश पर आप सभी के प्रभाव को देखें।"

सफल व्यक्तियों की सूची बहुत लम्बी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कमला प्रसाद-बिसेसर इस देश की पहली महिला प्रधानमंत्री है।

दलाई लामा पद आस्था और विश्वास से जुड़ा: भारत

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत ने स्पष्ट किया है कि अगले दलाई लामा को लेकर उसका कोई मत नहीं है। यह धार्मिक विषय है और भारत धार्मिक स्वतंत्रता का पक्षधर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि हमने दलाई लामा संस्था के जारी रहने पर पूज्य दलाई लामा की ओर से आए वक्तव्य से जुड़ी रिपोर्टों को देखा है। भारत सरकार आस्था और धर्म से जुड़ी हुई प्रथाओं और विश्वासों पर कोई मत नहीं रखती और ना ही उन पर कुछ कहती है। भारत सरकार हमेशा से सभी की धार्मिक स्वतंत्रता के सम्मान की पक्षधर है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 14वें दलाई लामा (तेनजिन ग्यात्सो) की ओर से एक बयान आया है। इसमें उन्होंने साफ कहा है कि उनके उत्तराधिकारी यानी 15वें दलाई लामा का चयन केवल तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार होगा और इसमें चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। वहीं चीन चाहता है कि उसके अनुसार अगले दलाई लामा का चयन हो। 600 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा में चीन हस्ताक्षेप करना चाहता है। इस मुद्दे पर केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू का भी बयान आया था। इसके बाद चीन की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई थी जिसमें चेतावनी दी गई थी। हालांकि रिजिजू ने स्पष्ट किया था कि उनका बयान एक बौद्ध अनुयायी के तौर पर था न कि भारत सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर।

उन्होंने कहा कि दलाई लामा के अनुयायी चाहते हैं कि वे स्वयं अपने उत्तराधिकारी का चयन करें।

हिमाचल: शाह ने की पूर्व सीएम जयराम से फोन पर बात

मंडी/एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी जिला में प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान को लेकर शुक्रवार सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की। केंद्रीय मंत्री ने ताजा हालात और बचाव एवं राहत कार्यों को लेकर जानकारी ली। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि एनडीआरएफ के अलावा आज सेना के जवानों की एक टुकड़ी भी यहां पहुंच गई है और वो दुर्गम इलाकों में राशन और जरूरी सामान पहुंचाने में जुट गई है। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और होमगार्ड जवानों द्वारा दी जा रही सेवाओं को सराहते हुए कहा कि सभी पूरी मुस्तेदी से दिये गए टास्क को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लापता लोगों की तलाश में भी टीमें जगह जगह पहुंच रही है और बाढ़ प्रभावित इलाकों में राशन पहुंचाने के अलावा फंसे हुए लोगों को निकालने में इनकी भूमिका सराहनीय है। उन्होंने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से भी एनडीआरएफ के सेकण्ड कमांडेंट रजनीश, एसडीआरएफ के कमांडेंट अर्जित सेन और जिला पुलिस प्रमुख साक्षी वर्मा से संपर्क बनाए हुए हूँ। पूर्व मुख्यमंत्री ने सुबह ही बगसियाड पहुंच कर जलशक्ति, बिजली, और लोक निर्माण अधिकारियों से प्रोग्रेस रिपोर्ट बारे निर्देश दिये। उन्होंने संचार सेवाओं को दुरुस्त करने में जुटी कंपनियों के अधिकारियों से मौके पर बात कर जल्द दूरसंचार सेवाएं बहाल करने को कहा। उन्होंने कहा हमारी प्राथमिकता अभी फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने और लापता लोगों की तलाश है। सभी टीमें तालमेल से काम कर रही है और इन्हें स्थानीय लोगों के साथ लगातार फीडबैक लेकर काम करने को कहा है। उन्होंने हरनाल नाला में सड़क खोलने में जुटी मशीनों के पास भारी बारिश बीच भी काम कर रहे इन लोगों का हौंसला बढ़ाया।

ऑपरेशन सिंदूर में 3 दुश्मनों से लड़े: डिप्टी आर्मी चीफ

पाकिस्तान को चीन ने हथियार और लाइव डेटा दिया

नई दिल्ली/एजेंसी

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के साथ हवाई संघर्ष में भारतीय सेनाओं को मिले सबक का अलग-अलग तरीके से विश्लेषण किया जा रहा है। सैन्य अधिकारी संघर्ष के दौरान मिले अनुभवों के आधार पर अपनी अगली रणनीति तय करने पर जोर दे रहे हैं। इसलिए उप सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने शुक्रवार को पहली बार माना कि हालिया संघर्ष में पाकिस्तान समेत तीन विरोधी मैदान में थे, जिनसे मुकाबला करना पड़ा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सबसे आगे जरूर था, लेकिन उसके पीछे चीन और तुर्किये भी थे। लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आज फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से आयोजित 'नए युग की सैन्य प्रौद्योगिकियां' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरे अभियान के दौरान वायु रक्षा और उसका संचालन किस तरह किया गया, यह महत्वपूर्ण था। हमारे पास एक सीमा थी और दो विरोधी थे, वास्तव में तीन। पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था। चीन हर संभव सहायता प्रदान कर रहा था। पाकिस्तान के पास 81 फीसदी सैन्य हार्डवेयर चीनी है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन अपने हथियारों का परीक्षण अन्य हथियारों के विरुद्ध करने में सक्षम है, इसलिए यह संघर्ष उनके लिए एक जीवंत प्रयोगशाला की तरह उपलब्ध था। तुर्किये ने भी पाकिस्तान को अपने ड्रोन की सहायता देकर उसके प्रयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अर्थव्यवस्था में एमएसएमई का दूसरा सबसे बड़ा योगदान: मांझी

उद्यम पोर्टल पर 6 .5 करोड़ एमएसएमई पंजीकृत, 28 करोड़ लोगों को मिला रोजगार

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शुक्रवार को देश की अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला बताया है।

उन्होंने इस क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में कहा कि एमएसएमई भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) उत्पाद का 30.1 फीसदी हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई देश में विनिर्माण का 35.4 फीसदी और निर्यात का 45.73 फीसदी हिस्सा है। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री ने 3 जुलाई को मुंबई में विद्युत मापन उपकरण डिजाइन संस्थान (आईडीईएमआई) और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) कार्यालय का दौरा करके समीक्षा बैठक की। इसके संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उद्यम पोर्टल पर 6.5 करोड़ एमएसएमई इकाइयां पंजीकृत हैं और अबतक 28 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं। मांझी ने बताया कि 1 जुलाई, 2020 को लॉन्च किये गए उद्यम पोर्टल पर 3.80 करोड़ से अधिक इकाइयां पंजीकृत हैं। अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों का समर्थन करने और उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र ऋण जैसे औपचारिक लाभों तक पहुंच प्रदान करने के लिए 11 जनवरी, 2023 को लॉन्च किए गए उद्यम सहायता पोर्टल के डेटाबेस में 2.72 करोड़ से अधिक इकाइयां हैं।

भाषा के आधार पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं: सीएम फडणवीस

मुंबई/एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में मराठी भाषा पर गर्व करना गलत नहीं है। लेकिन अगर कोई भाषा के नाम पर गुंडागर्दी करता है, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर किसी के साथ भाषा के आधार पर कोई मारपीट करता है, तो इसे भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'भाषा विवाद खड़ा किया तो कड़ी कानूनी कार्रवाई करेंगे'

फडणवीस की ओर से यह मराठी भाषा न बोलने को लेकर विवाद बढ़ रहा है। यह विवाद उस समय और बढ़ गया, जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकताओं ने कथित तौर पर एक गुजराती व्यक्ति को मराठी न बोलने को लेकर पीट दिया और घटना का वीडियो वायरल हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस ने इस घटना पर प्राथमिकी दर्ज की है और कार्रवाई भी की है। अगर भविष्य में कोई इस तरह का भाषा विवाद खड़ा करता है, तो उस पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संवाद, संवेदनशीलता से बनेंगे सफल अधिकारी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों को सफल और प्रभावी अधिकारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' का मंत्र दिया है। शुक्रवार को पीसीएस 2022 बैच के 07 और 2023 बैच के 38 प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के प्रशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनना, बड़ी चुनौतियों से भरा है। यह चुनौतियां ही आपके व्यक्तित्व को निखारेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल, विविधताओं से भरा राज्य प्रशासनिक रूप से भी अनेक चुनौतियों से जुड़ा है। ऐसे राज्य की सेवा का अवसर प्राप्त होना न केवल गौरव की बात है, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व और दृष्टिकोण को गहराई से परखने और निखारने का भी माध्यम है। प्रशिक्षण के उपरांत प्रारंभिक 05-06 वर्षों का व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यशैली आने वाले तीन-चार दशकों की दिशा तय कर देता है। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संवाद, सकारात्मकता और संवेदनशीलता को कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा, "जनता से जुड़ाव और फैसलों में मेरिट को प्राथमिकता दीजिए। उन्होंने एक अधिकारी के रूप में वे सभी गरीब और कमजोर वर्ग के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों का ध्यान भूमि विवादों, पैमाइश और मेड़बंदी जैसे विषयों की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि इनमें देरी से जनता में निराशा आती है। इन विषयों के प्रति विशेष संवेदनशीलता होनी चाहिए। "लोगों को त्वरित न्याय दिलाना आपकी कार्यशैली का हिस्सा होना चाहिए। राजस्व के लाखों मामले लंबित हैं। आपके निर्णयों और सक्रियता से लोगों को राहत मिल सकती है।" उन्होंने अधिकारियों से जनहित को सर्वोपरि रखने और निर्णय प्रक्रिया में ईमानदारी व निष्पक्षता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि "प्रशासनिक सेवा में जनता का विश्वास अर्जित करना सबसे बड़ी पूंजी है। इससे न केवल आपकी कार्यक्षमता बढ़ती है, बल्कि सिस्टम में सुधार भी आता है।"

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इन प्रशिक्षु अधिकारियों की ऊर्जा, नवाचार और समर्पण से प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था को एक नई गति और दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा, "आपका योगदान आने वाले समय में राज्य की नीति और जनता की नियति दोनों को प्रभावित करेगा।

बिहार में भी चुनाव लड़ेगी AAP, केजरीवाल का बड़ा ऐलान, क्या INDIA गठबंधन में होगी शामिल?

एजेंसी

बिहार. बिहार में साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं. सभी दल अपने-अपने स्तर पर काम में जुट गए हैं. इस बीच आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है. केजरीवाल ने साफ कर दिया कि बिहार का चुनाव आम आदमी पार्टी अकेले लड़ने जा रही है.

गुजरात दौरे पर गए अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि आम आदमी पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगी. केजरीवाल के इस फैसले से साफ हो गया कि आने वाले दिनों में ढ्ढह्लढ्ढ गठबंधन में और टूट देखने को मिल सकती है. हालांकि लोकसभा चुनाव आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा था.

लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन में दरार

केजरीवाल ने साथ ही यह भी साफ किया है कि, लोकसभा चुनावों के लिए वह इंडिया गठबंधन के साथ है लेकिन विधानसभा में हम अलग चुनाव लड़ रहे है.

दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन के बीच तकरार आनी शुरू हो गई. ये तकरार अब बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में आर-पार दिखने वाली है. हालांकि आप

संयोजक पहले ही कह चुके हैं कि कांग्रेस बीजेपी की ही क्रटीम है.

साल के अंत में होने वाले हैं विधानसभा चुनाव

बिहार में साल के अंतर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. इसे लेकर सियासी पिच लगभग तैयार हो चुकी है. तमाम दल अपनी तैयारी में जुटे हुए हैं. इस बीच अरविंद केजरीवाल ने भी साफ कर दिया कि वे बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले हैं. इसके अलावा प्रशांत किशोर की पार्टी भी चुनावी मैदान में सभी सीटों पर उतरने वाली है. हालांकि अब तक कांग्रेस और आरजेडी में सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया है. ऐसे में देखना होगा कि आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में क्या- क्या सियासी रंग देखने को मिलता है.

बिहार के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने स्पष्ट किया है कि आप बिहार चुनाव में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी. इस दौरान उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि बिहार में आम आदमी पार्टी किसी गठबंधन के साथ चुनाव नहीं लड़ेगी.

सावन में बाबा विश्वनाथ के शरण में होंगे अखिलेश, क्या मुस्लिम परस्त छवि से बाहर निकलने का प्लान?

एजेंसी

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है. योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए हिंदुत्व एजेंडे को धार देने में जुटी है, तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव हर हाल में वापसी करने की जुगत लगा रहे हैं. सपा के जातीय समीकरण दुरुस्त करने के साथ-साथ अखिलेश यादव अपनी मुस्लिम परस्त वाली छवि को भी तोड़ने में लगे हैं. इसी के मद्देनजर मुस्लिमों से जुड़े मुद्दों पर मुखर होने के बजाय सामाजिक न्याय का एजेंडा सेट कर रहे है, तो साथ ही सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं.

सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग हरिद्वार से कांवड़ लेकर कांवड़िए शिवलिंग पर गंगा जल चढ़ाते हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर साल सावन के पहले दिन गोरखनाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक व विधिवत पूजा अर्चना करते हैं. इस साल सावन के पहले सोमवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव काशी के बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे, जिसे लेकर सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं.

बाबा विश्वनाथ के शरण में अखिलेश

धार्मिक नगरी काशी सावन के महीने में भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थान बन जाता है. सावन में काशी में भारी भीड़ होती है, खासकर सोमवार को, जब भक्त भगवान शिव की पूजा करने और जलाभिषेक करने के लिए उमड़ते हैं. देशभर के लोग बड़ी संख्या में बाबा विश्वनाथ के दर पर गंगा जल चढ़ाने और माथा टेकने पहुंचते हैं. इस बार सावन के पहले सोमवार को यादव बंधुओं के जलाभिषेक में सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी शिरकत करेंगे.

सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ रहा है. जलाभिषेक के लिए देशभर से 50 हजार यादव बंधु काशी विश्वनाथ के दर पर पहुंच रहे हैं. चंद्रवंशी गोप समिति के प्रतिनिधिमंडल ने पिछले दिनों अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात करके जलाभिषेक के लिए आमंत्रित किया. इस प्राचीन परंपरागत जलाभिषेक कार्यक्रम में शिरकत करने की मंजूरी भी अखिलेश यादव दे चुके हैं. चंद्रवंशी गोप सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष लालजी चंद्रवंशी ने बताया कि अखिलेश यादव सावन के प्रथम सोमवार को होने वाले बाबा के प्रथम जलाभिषेक में शामिल होंगे.

'अगले दलाई लामा के चुनाव का अधिकार किसी और को नहीं...', भारत का चीन को सीधा जवाब

एजेंसी

चीन. अगला दलाई लामा कौन होगा? इसको लेकर तिब्बतियों में कयास तो चल ही रहा है. भारत और चीन में भी इस मसले को लेकर जोरदार बहस छिड़ी हुई है. चीन ने दलाई लामा के अगले उत्तराधिकार योजना को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि भावी उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी लेनी होगी. इस बीच भारत ने भी साफ कर दिया कि अगले दलाई लामा के चुनाव का अधिकार किसी को भी नहीं है. उत्तराधिकार को लेकर छिड़े विवाद के बीच अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने आज गुरुवार को दो-टूक शब्दों में कहा कि अगले दलाई लामा पर फैसला सिर्फ और सिर्फ स्थापित संस्था और दलाई लामा ही लेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले में कोई और शामिल नहीं होगा.

चीन के साथ फिर से बढ़ सकता है तनाव

इससे पहले तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने कल बुधवार को कहा था कि दलाई लामा संस्था जारी रहेगी और सिर्फ गादेन फोडरंग ट्रस्ट (Gaden Phodrang Trust) को ही संस्था के भावी उत्तराधिकारी को मान्यता देने का अधिकार होगा. गादेन फोडरंग ट्रस्ट की स्थापना दलाई लामा ने साल 2015 में की थी. हालांकि रविवार को दलाई लामा के 90वें जन्मदिन से पहले तिब्बती गुरु की यह घोषणा बीजिंग के साथ तनाव बढ़ाने वाली है.

केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने आज दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि दलाई लामा बौद्धों के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण और परिभाषित संस्था हैं. उन्होंने कहा, दलाई लामा को मानने वाले सभी लोगों की यही राय ??है कि उत्तराधिकारी का फैसला स्थापित परंपरा के और दलाई लामा की इच्छा के अनुसार होना चाहिए. उनके और मौजूदा परंपराओं के अलावा किसी और को इसे तय करने का अधिकार नहीं है.

संडे को दलाई लामा का 90वां जन्मदिवस

इससे पहले चीन ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा की उत्तराधिकार योजना को खारिज कर दिया था. साथ ही चीन ने जोर देकर यह भी कहा कि भावी उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी लेनी होगी, इसके बाद ही रीजीजू की यह टिप्पणी आई है.

बौद्ध धर्म के अनुयायी केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और उनके साथी केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 6 जुलाई को धर्मशाला में दलाई लामा के 90वें जन्मदिन के अवसर पर भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. तिब्बतियों और बौद्ध धर्म की नालंदा परंपरा का पालन करने वाले सभी लोगों के लिए 14वें दलाई लामा सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं.

दलाई लामा के उत्तराधिकार योजना को लेकर चीन नाराज है. चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने उनकी घोषणा पर कहा, ÷दलाई लामा के पुनर्जन्म को धार्मिक परंपराओं और कानूनों के अनुरूप घरेलू मान्यता, 'स्वर्ण कलश' प्रक्रिया तथा सरकार द्वारा अनुमोदन के सिद्धांतों का पालन करना होगा.

भारत को रूस से तेल खरीदने की सजा देना चाहता है अमेरिका, जयशंकर बोले- समय आने दो, देख लेंगे

जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देगा और वैश्विक कूटनीति में संतुलन बनाए रखेगा। भारत ने हाल के वर्षों में रूस से तेल आयात को बढ़ाया है, क्योंकि यह सस्ता और विश्वसनीय स्रोत रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500त्न टैरिफ लगाने की योजना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह सामने आएगा। जयशंकर ने इसे ÷पुल को पार करने÷ की तरह बताया, जिसका मतलब है कि भारत इस मामले में तभी कोई ठोस रुख अपनाएगा, जब स्थिति स्पष्ट होगी।

जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जिसने रूस से व्यापार करने वाले

देशों पर 500त्न शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने वाशिंगटन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷ऐसे घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वही सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक पेश किया है। विधेयक पेश करते समय उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेते हुए आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70त्न तेल खरीद रहे हैं।

जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमने अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तो हम उस पुल को पार करेंगे।

ट्रंप का समर्थन बना नई चुनौती

इस विधेयक को और जटिल बना रहा है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं। यह विधेयक उन देशों पर 500त्न आयात शुल्क लगाने की मांग करता है, जो अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं- इनमें भारत और चीन शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर बातचीत के लिए दबाव बनाना चाहता है।

अगर यह विधेयक पास हो जाता है, तो भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। 500त्न शुल्क भारतीय व्यापार के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा।

CM सिद्धारमैया ने मंच पर जिसे थप्पड़ मारने के लिए उठाया था हाथ, उस ऑफिसर ने कहा- अब नहीं करेंगे नौकरी!

एजेंसी

कर्नाटक. कर्नाटक की राजनीति में इस समय हलचम मची हुई है. सीएम की सुर्सी के लिए घमासान मचा है. इसी बीच सीएम सिद्धारमैया की एक पुरानी घटना को लेकर नया विवाद सामने आया है. दरअसल, कहानी कुछ ऐसी है कि, कुछ दिनों पहले सीएम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. मंच पर उन्हें एक पुलिस अवसर को थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाते हुए देखा गया था. उसी पुलिस अधिकारी ने अब सरकार से रिटायरमेंट की मांग की है. आइए समझते हैं, उस दिन क्या हुई थी पूरी घटना, और अफसर ने रिटायरमेंट की मांग क्यों की?

मंच पर सबके सामने मारने वाले थे थप्पड़

अप्रैल महीने में कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम हुआ था. इस कार्यक्रम में खुद मुख्यमंत्रीसिद्धारमैया भी पहुंचे थे. सबकुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन तभी कुछ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने अचानक विरोध शुरू कर दिया. उन्होंने छ्वस्ञ्जरू और सरकार के खिलाफ नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए. यह देखकर छ्वस्ञ्जरूगुस्से में आ गए. गुस्से में उन्होंने मंच से पूछा ङ्क यहां के एसपी कौन हैं? उसी समय ड्यूटी पर मौजूद ASP नारायण वी. बारमणी को बुलाया गया, जो धारवाड़ से बेलगावी में तैनात किए गए थे.

Bihar Chunav: राजनाथ सिंह क्यों पहुंचे पटना... राजपूत वोटरों का लालू से मोह या BJP का इंटरनल पॉलिटिक्स?

एजेंसी

पटना. मोदी सरकार में नंबर-2 का ओहदा रखने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को बिहार दौरे पर थे. सिंह के पटना पहुंचते ही बिहार की राजनीति में गर्माहट आ गई. बीजेपी के 1200 कार्यकर्ताओं और नेताओं को राजनाथ सिंह समझाने पहुंचे थे या खुद माहौल को समझने? राजनाथ का दौरा क्या राजपूत वोटरों के लिए मैसेज था या फिर पार्टी का इंटरनल पॉलिटिक्स? बिहार चुनाव को लेकर बीजेपी एक्शन मोड में आ गई है. बीजेपी नहीं चाहती है कि जो हालत लोकसभा के चुनाव में पार्टी को यूपी में हुई थी, वही हालत बिहार विधानसभा चुनाव में भी हो. बिहार के कई इलाकों में राजपूत वोटरों का झुकाव आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के प्रति है. आरजेडी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और उनके बेटे सुधाकर सिंह ने हाल के दिनों में राजपूत वोट बैंक में ठीक ठाक पैठ बना ली है. ऐसे में राजनाथ सिंह का बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने के कई मायने हैं. बिहार में राजपूत वोटरों का बड़ा अहम रोल होने वाला है. राजनाथ

सिंह, जो खुद भी राजपूत समुदाय से हैं. राजनाथ सिंह को पटना बैठक में लाने के पीछे बीजेपी की रणनीति राजपूत मतदाताओं को एकजुट करने की हो सकती है. कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राजद के नेता और पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह जैसे राजपूत चेहरों की सक्रियता ने बीजेपी को सतर्क कर दिया है. हाल के दिनों में आरजेडी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के सांसद बेटे सुधाकर सिंह राजपूत जाति में लोकप्रिय हुए हैं. आरा, बक्सर, औरंगाबाद और काराकाट जैसे इलाके में राजपूत वोटरों की अच्छी खासी आबादी है. पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह की नाराजगी को देखते हुए राजनाथ सिंह का दौरा काफी अहम है.

राजनथा सिंह के पटना पहुंचने के मायने

राजनाथ सिंह का बिहार दौरा बीजेपी की आंतरिक राजनीति के महत्व को भी बढ़ाती है. बिहार में बीजेपी के कई नेताओं, जैसे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के बीच संगठनात्मक और राजनीतिक वर्चस्व की होड़ देखी जा रही है. डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह के बीच कथित विवाद ने भी राजनाथ सिंह को पटना आने के लिए मजबूर किया.

पंजाबः भगवंत मान कैबिनेट में पूर्व सांसद संजीव अरोड़ा की एंट्री, ली मंत्री पद की शपथ

एजेंसी

पंजाब। पंजाब में आज गुरुवार को भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (ख्रक्क) सरकार का कैबिनेट विस्तार कर दिया गया. कैबिनेट विस्तार के तहत लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर पिछले दिनों उपचुनाव जीतने वाले संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाया गया है. अरोड़ा के अलावा किसी अन्य विधायक ने मंत्री पद की शपथ नहीं ली.

चंडीगढ़ स्थित पंजाब राजभवन में मान कैबिनेट का विस्तार कराया गया. आज के कैबिनेट विस्तार में राज्यसभा के पूर्व सांसद और हाल में विधायक चुने गए संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाया गया. कहा जा रहा है कि आज शाम तक कैबिनेट विभागों का नए सिरे से बंटवारा होने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा.

भगवंत मान कैबिनेट में अब कुल 17 मंत्री

इस विस्तार के साथ पंजाब कैबिनेट में मुख्यमंत्री (भगवंत मान) समेत 17 मंत्री हो गए हैं. कैबिनेट में 18 मंत्री हो सकते हैं. भगवंत मान की अगुवाई सरकार ने अपना आखिरी कैबिनेट फेरबदल पिछले साल सितंबर में किया था, जब उसने 4 मंत्रियों को हटाने के बाद 5 नए मंत्री शामिल किए थे.

संजीव अरोड़ा को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज दोपहर राजभवन में एक समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. अरोड़ा ने पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर पिछले महीने हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद एक जुलाई (मंगलवार) को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया.

पिछले महीने उपचुनाव में हासिल की थी जीत

19 जून को अरोड़ा लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी भारत भूषण आशु को आसान मुकाबले में 10,637 मतों से हरा दिया था. आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के जनवरी में निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी जिस वजह से यहां पर उपचुनाव कराया गया. इससे पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उपचुनाव में प्रचार के दौरान कहा था कि अगर संजीव अरोड़ा विधायक चुने गए तो उन्हें मंत्री बनाया जाएगा. पहली बार सांसद बने संजीव अरोड़ा 10 अप्रैल 2022 को पंजाब से राज्यसभा के लिए चुने गए थे, उनका यह कार्यकाल 9 अप्रैल 2028 तक के लिए था.

दिल्ली जल बोर्ड घोटाला: ED के घेरे में AAP, सत्येंद्र जैन से चल रही पूछताछ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन को आज ईडी के सामने पेश किया गया. अधिकारियों ने बताया कि यह पूछताछ दिल्ली जल बोर्ड मनी लॉड्रिंग मामले के तहत की जाएगी. वह सुबह करीब 11=15 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है. दरअसल, सत्येंद्र जैन से दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट घोटाले में पूछताछ की जा रही है. इस मामले में श्वष्ठ ने पिछले साल 3 जुलाई को दिल्ली समेत चार शहरों में छापेमारी भी की थी. जिसमें अहमदाबाद, मुंबई और हैदराबाद में कई ठिकानें शामिल हैं. ये कार्रवाई दिल्ली जल बोर्ड (DJB) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) घोटाले से जुड़ी हुई थी.

1900 से अधिक रुपये का

हुआ था घोटाला

डीजेबी मामले में एंटी करप्शन ब्रांच (ACB) ने M/s Eurotek Environmental Pvt Ltd और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया था. आरोप है कि दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स को अपग्रेड और बढ़ाने के नाम पर करीब 1943 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ.

क्या था मामला?

बताया जा रहा है कि 4 टेंडर अक्टूबर 2022 में दिए गए थे. इन टेंडरों में सिर्फ 3 जॉइंट वेंचर कंपनियों ने हिस्सा लिया और आपस में सेटिंग कर के काम बांटा. आरोप है कि टेंडर की शर्तें ऐसी बनाई गईं ताकि वही चुनिंदा कंपनियां भाग ले सकें. पहले प्रोजेक्ट की लागत 1546 करोड़ रुपये तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 1943 करोड़ कर दिया गया.

श्वष्ठ की जांच में पता चला है कि सभी कंपनियों ने एक ही ताइवान प्रोजेक्ट का एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट दिया, जिसे बिना जांच के स्वीकार कर लिया गया. बाद में इन कंपनियों ने पूरा काम श्वह्वह्म्श्वह्लद्गष्द्ध श्वठ्ठ1द्बह्म्श्ठ्ठद्वद्गठ्ठह्ल क्काह्ल. रुह्लस्र., हैदराबाद को सब-कॉन्ट्रैक्ट दे दिया.

छापेमारी के दौरान मिले थे कई सबूत

छापेमारी के दौरान 41 लाख रुपये नकद, कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत बरामद किए गए थे. जिसके आधार पर वह इस मामले की कार्रवाई को आगे बढ़ा रही है.

पहले भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में काट चुके है सजा

सत्येंद्र जैन पहले से ही एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल की सजा काट चुके हैं.

योगी नहीं, मोदी के नाम पर बीजेपी को वोट मिला... निशिकांत दुबे बोले- पसंद का क्या वो तो

एजेंसी

नई दिल्ली ।भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद निशिकांत दुबे ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि यूपी में बीजेपी को वोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर मिला, योगी आदित्यनाथ के नाम पर नहीं. निशिकांत दुबे ने कहा कि 2017 में जब योगी मुख्यमंत्री बने थे तो लोगों ने उनके नाम वोट नहीं दिया था. लोगों ने पीएम मोदी के नाम पर बीजेपी को वोट दिया था. उन्होंने कहा कि आज भी जनता पीएम मोदी को ही वोट करती है.

'पसंद तो लोग हिमंता को भी करते हैं'

इंटरव्यू में सवाल किया गया कि लेकिन लोग योगी आदित्यनाथ को पसंद करते हैं तो दुबे ने कहा कि पसंद तो कई लोग आ रहे हैं. पसंद हिमंता बिस्वा सरमा भी आ रहे हैं, पसंद तो देवेंद्र फडणवीस भी आ रहे हैं. पसंद तो गृह मंत्री अमित शाह भी आ रहे हैं. आपको कल्पना भी नहीं है. अमित शाह ने 370, 35ए, को खत्म किया. उन्होंने नक्सलवाद को खत्म किया. बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने आगे कहा कि आज की तारीख में बीजेपी इतनी बड़ी पार्टी बनी को इसका श्रेय उस समय के अध्यक्ष को जाता है. अगर यूपी में आज तक बीजेपी ने सबसे बड़ी जीत हासिल की है तो वो 2014 का चुनाव था. उस अमित शाह ही पार्टी के इंचार्ज थे. हमारी पार्टी में टैलेंट की कोई कमी नहीं है.

जस्टिस वर्मा को हटाने की कवायद, आमराय बनाने की कोशिश, केंद्र ने की सभी दलों से बात

एजेंसी

दल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायाधीश रहते जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से भारी मात्रा में जले हुए नोट मिलने के मामले में सरकार बड़ा फैसला लेने पर विचार कर रही है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जस्टिस वर्मा को पद से हटाए जाने को लेकर सरकार की सभी दलों से बात हुई. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी ने भी अपनी जांच में पाया कि उन्हें हटाने की सिफारिश की जाए.

जस्टिस वर्मा को लेकर सरकार आम सहमति बनाने की कोशिश में लगी है. सूत्र बताते हैं कि सरकार ने सभी दलों से इसलिए बात की है ताकि हटाए जाने को लेकर आम राय बन सके. बात करने के बाद जल्द ही हटाए जाने को लेकर प्रस्ताव लाया जा सकता है. सभी दलों से बात करके सांसदों के हस्ताक्षर लिए जाएंगे. हालांकि अभी तय नहीं हो सका है कि इनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लोकसभा में लाना है या फिर राज्यसभा में. संसद में लाया जा सकता है महाभियोग प्रस्ताव

बताया जा रहा है कि इस प्रक्रिया के लिए चेयर एक समिति का गठन करेगी. उसकी रिपोर्ट के आधार पर सदन में चर्चा और आगे की कार्रवाई होगी. फिलहाल तीन महीने के समय का प्रावधान है. पिछले महीने भी यह चर्चा थी कि संसद के आगामी सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है. इससे पहले जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से जले नोटों की कथित बरामदगी को लेकर जांच करने वाली समिति ने 19 जून को अपनी 64 पेजों वाली रिपोर्ट में कहा कि जस्टिस वर्मा और उनके परिवार के लोगों का उस स्टोर रूम पर गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था, जहां से भारी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी.

मालकिन की हत्या करने वाले नौकर ने खोला राज, पुलिस को मिला बैग, जिसमें था उसका कपड़ा...

एजेंसी

नई दिल्ली। चंदौली: देश की राजधानी दिल्ली के लाजपत नगर में हुए मां-बेटे की हत्या के मामले में यूपी पुलिस ने ट्रेन से भाग रहे हत्यारोपित नौकर को चंदौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. आरोपी की गिरफ्तारी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से हुई है. दिल्ली पुलिस की सूचना पर चंदौली की मुगलसराय कोतवाली पुलिस, आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने ट्रेन में सवार डबल मर्डर के आरोपी मुकेश पासवान पुत्र नरेश पासवान को अरेस्ट किया है. फिलहाल आरोपी को मुगलसराय कोतवाली में रखा गया है. आरोपी मुकेश बिहार के वैशाली जिले के जनदहा थाना क्षेत्र के धतुआ गांव का रहने वाला है. बीते मंगलवार की देर रात अपने मालकिन और उनके बेटे की हत्या कर नौकर मुकेश फरार हो गया था. सूत्रों के मुताबिक पिछले 4 साल से मृतका की कपड़े की दुकान पर मुकेश काम काम करता था.

दिल्ली के लाजपत नगर में डबल मर्डर हत्याकांड में आरोपी मुकेश को मुगलसराय कोतवाली पुलिस ने मुगलसराय स्टेशन से गिरफ्तार किया है. आरोपी मुकेश पासवान के पास एक बैग भी बरामद हुआ है. बैग में कुछ रुपए और कपड़े मिले हैं. आरोपी मुकेश ने बताया कि बीमारी के दौरान उसका अपनी कपड़ा व्यवसायी मालकिन से दुकान जाने को लेकर के विवाद हुआ था. इसके बाद उसकी मालकिन ने उसे वीडियो कॉल भी किया था. मामले से नाराज होकर वह एक चाकू लेकर मालकिन रुचिका के घर गया, जहां उसका विवाद हो गया. विवाद के दौरान पहले उसने रुचिका की हत्या की दिल उसके 14 वर्षीय पुत्र जो उसे बचाने आया था. उसका गला काट करके हत्या कर दी. पुलिस को यह इनपुट मिला था की मुकेश पासवान बिहार के वैशाली भागने की फिराक में है. सूचना पर मुगलसराय पुलिस ने इसे मुगलसराय स्टेशन से गिरफ्तार किया है. पुलिस के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि ट्रांसिट रिमांड पर इसे दिल्ली पुलिस के हवाले किया जाएगा.

बॉर्डर पार से भारत घुसे थे 5 पुरुष, 7 औरतें और 6... दिल्ली पुलिस ने मारी रेड, मोबाइल में मिले चौंकाने वाले राज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस की साउथ डिस्ट्रिक्ट टीम ने गैरकानूनी तरीके से भारत में घुसे 18 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है. पकड़े गए लोगों में 5 पुरुष, 7 महिलाएं और 6 बच्चे शामिल हैं. पुलिस की सूत्रों से बताया गया कि ये सभी बांग्लादेश से चोरी-छिपे भारत में घुसे थे. कई दिनों से दिल्ली में रह रहे थे. महर, पूछताछ में खुलासा हुआ कि वे दिल्ली से किसी अन्य राज्य में भागने की फिराक में थे.

दिल्ली पुलिस की Delhi Anti-Auto Theft Squad की टीम की बड़ी सफलता मानी जा रही है. टीम ने टेक्निकल इनपुट और लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर इनकी जानकारी जुटाई थी. दिल्ली पुलिस ने इनको पकड़ने के लिए स्पेशल ऑपरेशन चलाया था. पुलिस ने सभी को हौजखास के पास पंचशील फ्लाईओवर के नजदीक से दबोचा है.

दिल्ली पुलिस ने उनसे पूछताछ की. इकाई को पूछताछ के दौरान इन सभी के मोबाइल फोन की और उनमें मौजूद ऐप्स की जांच की. पुलिस ने जांच जिससे इनकी असली पहचान हो पाई. साथ ही दिल्ली पुलिस को उनके मोबाइल के अंदर से भारत में प्रतिबंधित ऐप मिले है. दरअसल, विदेशी नागरिक बांग्लादेश और बाहर के देशों में बात करने के लिए इसका उपयोग कर रहे थे. चूंकि, पुलिस इस ऐप को ट्रेक नहीं कर पाती है, तो उन्हें ट्रेस कर पाना मुश्किल हो जाता है.

दिल्ली पुलिस ने बताया कि इनके पास से बांग्लादेशी आईडी भी बरामद हुई हैं. पुलिस ने सभी को [illegible] की मदद से वापस बांग्लादेश भेज दिया है. इससे पहले दिल्ली पुलिस ने पिछले हफ्ते दिल्ली के 100 से अधिक झुग्गी और 150 लेन में सर्च ऑपरेशन चलाया था. इस दौरान 5 ऐसे बांग्लादेशी पकड़े गए थे, जो पुलिस से बचने के लिए ट्रांसजेंडर बन कर रहे थे.

दिल्ली पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि जांच में पकड़े जाने और प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा चिह्नित किए जाने से बचने के लिए उन्होंने इस भेष का इस्तेमाल किया था. सभी 18 लोगों को विस्तार से पूछताछ और दस्तावेजीकरण के लिए [illegible] में स्थानांतरित कर दिया गया. पुलिस ने बताया कि उनके कब्जे से प्रतिबंधित [illegible] ऐप से लैस सात मोबाइल फोन बरामद किए गए.

दिल्ली में दूसरे दिन पकड़े गए 85 पुराने वाहन, सिर्फ 7 हुए जब्त, 67 छोड़ दिए, वजह जान मिलेगा सुकून

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों पर जारी एक्शन के बीच बुधवार को 85 वाहनों को ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ा. इसमें से सिर्फ 7 वाहनों को जब्त किया गया और बाकी 78 को छोड़ दिया गया. सवाल यह है कि दूसरे दिन सिर्फ 7 वाहनों को क्यों जब्त किया गया और बाकी वाहनों को क्यों छोड़ दिया गया. ट्रैफिक विभाग ने इसके पीछे की ऐसी वजह का खुलासा किया है, मन को सुकून मिलेगा.

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली. दिल्ली में पुरानी गाड़ियों पर एक्शन जारी है. बुधवार को 85 वाहनों को ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ा लेकिन केवल 7 वाहनों को जब्त किया गया. बाकी 78 वाहनों को छोड़ दिया गया. 1 जुलाई को 85 वाहनों को जब्त किया गया था. एक दिन बाद ही यह आंकड़ा हैरतअंगेज तरीके से गिर गया. 1 जुलाई को 80 वाहनों को जब्त किया गया था. सवाल यह है कि दूसरे दिन सिर्फ 7 वाहनों को क्यों जब्त किया गया और बाकी वाहनों को क्यों छोड़ दिया गया.

पुरानी गाड़ियों पर दिल्ली सरकार की सख्ती के चलते दिल्ली की सड़कों पर दूसरे दिन अजीब सा सन्नाटा नजर आया. मर्सिडीज, ऑडी और बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी और चमचमाती कारे कम ही नजर आईं. दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निश्चल सिंघानिया ने खुद ही इस बात की तस्दीक की. दूसरे दिन पेट्रोल पंप पर भी पुराने वाहन कम ही देखने को मिले. टाइम्स ऑफ इंडिया

में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, अभियान के दूसरे दिन 85 पुराने वाहन पकड़े गए लेकिन सिर्फ 7 ही जब्त किए गए. यातायात विभाग का कहना है कि 78 वाहन अपनी उम्र को पूरा जरूर कर चुके हैं लेकिन उन्हें इसलिए छोड़ दिया गया क्योंकि इनके खिलाफ कोई आपत्ति प्रमाणपत्र जारी नहीं था.

एक पेट्रोल पंप मालिक ने कहा कि अगर 60 वाहनों में केवल 7 वाहन जब्त किए जाते हैं तो हमें सोचना होगा कि हम अपना संसाधन कहां पर खर्च कर रहे हैं? हम सभी चाहते हैं कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन सड़कों से बाहर हो जाएं लेकिन 15 साल से ज्यादा पुराना हर वाहन प्रदूषण नहीं फैलाता, अगर उसका रखरखाव सही ढंग से किया जाए. दूसरी ओर, एक नए वाहन का रखरखाव अगर सही ढंग से नहीं किया जाएगा तो वह ज्यादा प्रदूषण फैलाएगा. यह भी देखना होगा पुराने वाहनों के लिए डीजल-पेट्रोल की खपत एनसीआर में बढ़ी है या नहीं.

दिल्ली के 350 पेट्रोल पंप चिह्नित

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को पकड़ने का अभियान आगे भी जारी रहेगा. 1 जुलाई को जब्त 80 वाहनों में से 67 दोपहिया वाहन थे. 12 चार पहिया वाहन थे. दिल्ली के सभी पेट्रोल पंप नई तकनीकी से लैस कैमरे लगाए गए हैं. ये कैमरे 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहन और 10 साल से पुराने डीजल वाहनों की पहचान कर लेते हैं. दिल्ली के 350 पेट्रोल पंपों को चिह्नित किया गया है. इन पर यातायात पुलिस के अधिकारियों को तैनात किया गया है. 2023 में दिल्ली में 22000 से ज्यादा पुराने वाहन जब्त किए गए थे. 2024 में यह आंकड़ा और बढ़ गया. करीब 39 हजार पुराने वाहन जब्त किए गए थे.

15 साल पुरानी मर्सडीज जब्त

इससे पहले, दिल्ली के आश्रम के पेट्रोल पंप पर वरुण विज नाम के शख्स अपनी 15 साल पुरानी मर्सडीज़ में फ्यूल भराने पहुंचे थे. पेट्रोल पंप पर लगे कैमरे से उनकी कार बच नहीं पाई. उसे सील कर दिया गया. विज ने बताया कि 2015 में उन्होंने 84 लाख रुपये में मर्सिडीज कार खरीदी थी. अब नए नियम के चलते उन्हें अपनी लग्जरी कार को 2.5 लाख रुपये में बेचनी पड़ रही है. इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल हुआ. कई यूजर्स ने दिल्ली सरकार की नई पॉलिसी की निंदा की.

दिल्ली एनसीआर में फिर बढ़ी गर्मी, क्या आते ही थम गया मानसून? आखिर क्यों नहीं हो रही बारिश?

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में मानसून एक बार फिर रूठा हुआ नजर आ रहा है, क्योंकि मानसून आने के बावजूद दिल्ली एनसीआर में बारिश नहीं हो रही है. सिर्फ बूंदाबांदी से ही लोगों को काम चलाना पड़ रहा है. बादल काले हो रहे हैं. तेज हवाएं चलती हैं, लेकिन बारिश फिलहाल नहीं हो रही है. यही नहीं बारिश न होने की वजह से आलम यह है कि सुबह से ही तेज धूप निकल रही है. धूप की तपिश इतनी ज्यादा है कि लोगों को जुलाई के महीने में मई और जून जैसी गर्मी का एहसास हो रहा है. तापमान भी लगातार अब बढ़ता जा रहा है. ऐसे में जुलाई का महीना जहां मौसम विभाग ने ठंडा रहने का पूर्वानुमान जारी किया था, तो वहीं जुलाई की शुरुआती दिन तो अभी फिलहाल बेहद गर्म हैं.

यही नहीं पूरे दिल्ली एनसीआर में अधिकतम तापमान भी 35 डिग्री सेल्सियस से लेकर 33 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है. रात का तापमान भी एक बार फिर बढकर 26 से 28 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है. ऐसे में दिल्ली एनसीआर के लोगों की मुश्किलें और बढ़ती जा रही हैं. गर्मी के साथ-साथ उमस का डबल अटैक दिल्ली एनसीआर पर पड़ रहा है. फिलहाल आज और कल अभी दो दिन भी बारिश के कोई भी आसार नजर नहीं आ रहे हैं. हालांकि उधर दूसरी ओर भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 8 जुलाई तक बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है, लेकिन भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान भी सही साबित नहीं हो रहे हैं.

फिलहाल भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से आई ताजा जानकारी के मुताबिक आज किसी भी तरह की कोई चेतावनी नहीं है. सिर्फ बीच-बीच में बादल आते जाते रहेंगे. नोएडा, गाजियाबाद, गुड़गांव और फरीदाबाद के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है, जबकि दिल्ली में ज्यादातर बूंदाबांदी ही देखने के लिए मिलेगी. बाकी सुबह से ही तेज धूप रहेगी. हल्की हवाएं लगभग 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती रहेगी जिस वजह से फिलहाल लोगों को आज गर्मी से कोई राहत नहीं मिलेगी.

दिल्ली के पॉश इलाके में डबल मर्डर, घर में मिले मां-बेटे के शव, पुलिस की गिरफ्त में आरोपी नौकर

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के लाजपत नगर में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक 42 वर्षीय महिला रुचिका और उसके 14 वर्षीय बेटे की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. घटना देर रात की है. जब परिवार के लोग संपर्क नहीं कर पाए तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो महिला का शव बेडरूम में और बेटे का शव बाथरूम में मिला. पति की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची थी. मामले की जांच जारी है. इस घटना के बाद से इलाके में दहशत फैल गई है. पुलिस को नौकर पर हत्या करने का शक है.

दक्षिण पूर्वी दिल्ली के लाजपत नगर-1 इलाके में मां और बेटे की निर्मम हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. पुलिस ने बताया कि दोनों की घर के अंदर गला रेतकर हत्या की गई. महिला की पहचान 42 वर्षीय रुचिका और बेटे के रूप में हुई है. देर रात जब पड़ोसियों ने घर से कोई प्रतिक्रिया नहीं पाई, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बरामद किए. घटना के बाद से ही घर का नौकर फरार था, जिससे संदेह गहरा हो गया.

दिल्ली पुलिस ने आरोपी नौकर मुकेश को गिरफ्तार करने के लिए सीसीटीवी कैमरा फुटेज निकाली. उसके बाद उसे सर्कुलेट किया, साथ ही फुटेज चेक करते-करते आरोपी मुकेश की लोकेशन रेलवे स्टेशन की तरफ मिली. इसके बाद पुलिस को शक हो गया कि आरोपी बिहार जाने वाली ट्रेन में फरार हुआ है, जिसके बाद पुलिस ने रेलवे पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस से संपर्क साधा और दिल्ली पुलिस भी यहां से रवाना हुई. आरोपी मुकेश को दीनदयाल उपाध्याय रेलवे जंक्शन में उस वक्त दबोच लिया गया. आरोपी मुकेश बिहार जाने वाली ट्रेन में बैठकर फरार हो रहा था. आरोपी के सीसीटीवी फुटेज और फोटो सभी से शेयर किए गए थे. जिसके बाद यूपी पुलिस ने ट्रेन से आरोपी मुकेश को गिरफ्तार कर लिया.

दिल्ली पुलिस के डीसीपी हेमंत तिवारी ने इस घटना की पूरी जानकारी दी है-

रात 9:43 बजे कुलदीप (44 साल), निवासी लाजपत नगर-ढ्ढ से एक पीसीआर कॉल मिली. उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी और बेटा उनकी कॉल का जवाब नहीं दे रहे हैं. घर का दरवाजा अंदर से बंद है. गेट और सीढ़ियों पर खून के धब्बे हैं. कॉल मिलने के बाद पीसीआर और आईओ उस स्थान पर पहुंचे, जहां कॉल करने वाले कुलदीप ने बताया कि सीढ़ियों पर खून के धब्बे दिखाई दे रहे हैं. उनकी पत्नी और बेटा उनकी कॉल का जवाब नहीं दे रहे हैं. इस बीच एसएचओ भी मौके पर पहुँच गए और जबरन गेट खोला गया. परिसर के अंदर एक महिला और एक बच्चे के शव मिले.

फिर आई Air India की फ्लाइट पर आफत, नहीं पूरी कर पाई दिल्ली से वाशिंगटन की यात्रा, वियाना में कराई गई लैंडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। एयर इंडिया के पैसेंजर्स की परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं. 2 जुलाई को एक बार फिर दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अमेरिका के वाशिंगटन एयरपोर्ट के लिए उड़ी फ्लाइट AI103 अपना सफर पूरा नहीं कर पाई. इस फ्लाइट को वियाना में लैंड कराया गया, इसके बाद यह प्लेन तकनीकी खराबी के चलते आगे का सफर पूरा कर नहीं पाया. एयर इंडिया के प्लेन में आई तकनीकी खराबी के चलते वाशिंगटन से आईजीआई एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने वाले AI104 को भी कैंसिल करना पड़ गया.

दरअसल, 2 जुलाई को दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-103 ने वॉशिंगटन डीसी जाने वाली उड़ान भरी थी. इस फ्लाइट को मध्य रात्रि करीब 12:45 बजे टेकऑफ होना था, लेकिन ऑपरेशनल रीजन्स की

वजह से रात्रि करीब 1:20 बजे उड़ान भर सकी. आपको बता दें कि इस उड़ान के लिए एयर इंडिया ने बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर प्लेन तैनात किया था. सुबह करीब 6:23 बजे यह फ्लाइट रिफ्यूलिंग के लिए वियाना एयरपोर्ट पर लैंड हुई. रिफ्यूलिंग के बाद प्लेन की जांच में तकनीकी खराबी पाई गई. जिसके बाद, इस प्लेन को वहीं रोक लिया गया.

इसके बाद, वियाना से वॉशिंगटन की फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया. प्लेन में मौजूद सभी मुसाफिरों को वियाना में ही डिबोर्ड करा दिया गया. एयर इंडिया के अनुसार, जिन मुसाफिरों के पास वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा थी या जिनके पास वैध शेंगेन वीजा था, उन्हें वियना में होटल में ठहराया गया. वहीं, जिन पैसेंजर्स के पास वियना में प्रवेश की अनुमति नहीं थी, उनको होटल में ठहराने के लिए ऑस्ट्रियाई अधिकारियों से बातचीत की गई है. आपको बता दें कि इस घटना का असर केवल दिल्ली-वाशिंगटन फ्लाइट तक सीमित नहीं रहा. एयर इंडिया ने वॉशिंगटन से दिल्ली आने वाले AI104 को भी रद्द कर दिया है.

फ्लाइट को लेकर एयर इंडिया ने कही यह बात

वहीं, इस मामले में एयर इंडिया ने खेद जताया है. एयर इंडिया के अनुसार, हमारी पहली प्राथमिकता हमेशा पैसेंजर्स और क्रू की सुरक्षा रही है. इसीलिए एयरलाइंस ने कोई जोखिम नहीं लिया और प्लेन को पूरी तरह ठीक करने का फैसला किया. उन्होंने बताया कि एयर इंडिया की टीमें पैसेंजर्स को हर संभव मदद उपलब्ध करा रही हैं.

क्या BMW, मर्सिडीज-बेंज, रेंज रोवर.. जिसे एक भी स्क्रैच नहीं लगने दिया, अब कबाड़ मंडी में चंद रुपयों में बेचने को मजबूर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरी दिल्ली में एक जुलाई से 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन ना दिए जाने का नियम लागू होते ही लोगों में हड़कंप सा मच गया है. अफरातफरी साफ तौर पर देखने के लिए मिल रही है. यही वजह है कि लोग इस नियम से बचने के लिए दिल्ली के मायापुरी में मौजूद एशिया के सबसे बड़े स्क्रैप मार्केट पहुंच रहे हैं. बीते एक हफ्ते में यहां पर 80 फीसदी काम बढ़ गया है और एक से बढ़कर एक लग्जरी कार यहां पर स्क्रैपिंग के लिए आ रही हैं. बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज-बेंज से लेकर रेंज रोवर समेत आई20 और महिंद्रा थार तक जैसी महंगी गाड़ियां यहां पर लोग लेकर पहुंच रहे हैं और यहां पर स्क्रैप डीलरों को अपनी गाड़ी बेच रहे हैं. यही वजह है कि मौजूदा समय में इस मार्केट में कदम रखने लायक भी जगह नहीं है.

> स्क्रैप डीलरों ने बताया कि जिन लोगों ने 10 सालों में अपनी लग्जरी कारों को एक भी स्क्रैच नहीं लगने दिया और बहुत संभालकर रखा, अब उसी गाड़ी को स्क्रैपिंग के लिए देते समय वे लोग बहुत उदास हो रहे हैं.

आपकी नजरें जहां तक जाएंगी वहां तक सिर्फ कार ही कार खड़ी हुई नजर आएंगी. बात करें दोपहिया वाहन की तो दोपहिया वाहन भी यहां पर खूब बेचे जा रहे हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां के कुछ स्क्रैप डीलरों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि इस स्क्रैप मार्केट में अब तक कई मंत्री, बिजनेसमैन और तो और डॉक्टर से लेकर पुलिस वाले तक अपनी गाड़ी स्क्रैपिंग के लिए दे चुके हैं. नया नियम उन्हें भी सता रहा है. स्क्रैप डीलरों ने यह भी बताया कि जो लोग लग्जरी गाड़ी खरीद चुके थे, जिसको 10 साल पूरे हो गए हैं, लेकिन उन्होंने इन 10 सालों में उस गाड़ी पर एक भी स्क्रैच नहीं लगने दिया और बहुत संभालकर रखा, अब उसी गाड़ी को स्क्रैपिंग के लिए दे रहे हैं. ऐसा करते वक्त वे बहुत दुखी हो रहे हैं, क्योंकि मजबूरी में यहां पर गाड़ियों की चाबी उनको थमाकर ये लोग जा रहे हैं.

आधे दामों पर स्क्रैप डीलर ले रहे गाड़ियां

मायापुरी की स्क्रैप मार्केट में 25 सालों तक प्रधान रह चुके हेमराज गुप्ता ने लोकल18 से बातचीत में बताया कि दिल्ली सरकार की तरफ से जबसे No Fuel For Old Vehicles नियम लागू किया गया है, तभी से यहां पर पुरानी गाड़ियां एकाएक खूब आने लगी थीं. बीते दो हफ्ते से लेकर अब तक नियमों में जैसे-जैसे सख्ती हुई, वैसे-वैसे लोग अपनी एक से बढ़कर लग्जरी कार.. चाहे वो कितनी भी करोड़ों की कीमत की क्यों ना हो, यहां लेकर आ रहे हैं और मजबूरी में कम कीमतों पर बेच रहे हैं. उन्होंने बताया कि बेचे जाने में दोपहिया वाहनों की भी संख्या कम नहीं है. यहां पर कई स्पोर्ट्स बाइक तक स्क्रैपिंग के लिए लोग देकर जा चुके हैं, क्योंकि सबकी मजबूरी है. सड़क पर वो इन्हें लेकर चल नहीं सकते और चलेंगे तो भारी भरकम जुर्माना लगेगा और तब भी गाड़ी जब्त हो जाएगीज और कुछ मिलेगा भी नहीं. यहां से कम से कम उन्हें दाम मिल तो रहे हैं.

इस तरह लगाया जाता है दाम

हेमराज गुप्ता ने बताया कि जब गाड़ियों को ट्रैफिक पुलिस स्क्रैपिंग के लिए जब्त करती है तो उसके मालिक को एक पर्ची देती है और बता देती है कि उनकी गाड़ियों को स्क्रैपिंग के लिए इस जगह भेजा जा रहा है. वहां पर उनको इस गाड़ी की इतनी कीमत मिलेगी, लेकिन बहुत कम कीमत वहां से मिलती है.

पर जब लोग खुद से इस स्क्रैप मार्केट में आते हैं तो उन्हें गाड़ी की जो कीमत होती है उसकी अच्छी कीमत पर यहां कई स्क्रैप डीलर गाड़ी खरीदने के लिए राजी हो जाते हैं.

शीशमहल की लौटी पुरानी शान! कई साल से अनदेखी का रहे शिकार, शीशमहल को डीडीए ने निखारा

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी की ऐतिहासिक धरोहर शीशमहल भी अब दिल्ली के हैरिटेज को बुलंदियों पर ले जाने का काम करेगा। कई साल से अनदेखी का शिकार शालीमार बाग के शीशमहल को डीडीए ने निखार दिया है। शीशमहल नैशनल मॉन्यूमेंट के तौर पर प्रोटेक्टेड है। लेकिन अनदेखी की वजह से यह खंडहर में बदलता जा रहा था। मंगलवार कल्चरल को एंड टूरिज्म मिनिस्टर गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसका उद्घाटन किया।

इस मौके पर उनके साथ एलजी वीके सक्सेना भी मौजूद रहे। यहां बने दो कॉटेज का भी जीर्णोद्धार किया गया है। अब यह कॉटेज रीडर कैफे और कैफे शालीमार के नाम से जाने जाएंगे।

शीशमहल की खराब स्थिति देखकर एलजी वीके सक्सेना ने निर्देश दिए कि डीडीए और आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया इस प्रोजेक्ट का प्लान तैयार करें। इसे इसकी पुरानी साख में वापस लाएं। प्लान के अनुसार एएसआई ने इसे मुगल स्टाइल में चार बाग लैंडस्केप डिजाइन के आधार पर संरक्षित किया है।

1653 में बनाया गया था शालीमार बाग

शालीमार बाग 1653 में बनाया गया था। इसने इतिहास के कई पहलू देखे हैं। इनमें मुगल से ब्रिटिश काल तक शामिल है। शीशमहल और कुछ अन्य हेरिटेज स्ट्रक्चर 1930 में बने हैं। इनके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए इन्हें खास ध्यान रखकर पुराने

लुक में ही तैयार किया गया है। इसमें लाइम कंक्रीट, लाइम सुरखी, लखौरी ईंट का इस्तेमाल किया गया है। इन्हें जोड़ने के लिए गुड, बेलगिरी और उरद जैसे सामानों का इस्तेमाल किया गया है।

कॉटेज रीडर कैफे-शालीमार कैफे के नाम से जाने जाएंगे

शीशमहल प्रोजेक्ट में कुल तीन हेरिटेज कॉटेज, बिरादरियों का भी जीर्णोद्धार किया गया है। यह हिस्से काफी कमजोर हो चुके थे। अब इनमें से दो कॉटेज का इस्तेमाल डीडीए कम्युनिटी के लिए करेगा। इनमें से एक रीडर्स कैफे कॉर्नर होगा। इस बुक कैफे में लोग खान-पान के साथ किताबों का मजा ले सकेंगे। वहीं कैफे शालीमार में पार्क में आने वाले विजिटर्स खान-पान का मजा लेंगे। वहीं सबसे छोटे तीसरे कॉटेज का इस्तेमाल ऑफिस के तौर पर किया जाएगा।

'हेड कॉन्स्टेबल ने विजिलेंस टीम के सामने किया हार्ट अटैक का ड्रामा', कोर्ट ने आरोपी को 14 न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

दिल्ली के बुराड़ी थाने में विजिलेंस की टीम ने रेड करके 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हेड कॉन्स्टेबल को रंगेहाथ पकड़ लिया। बता दें कि आरोपी अपने दिल के पास हाथ रखकर हार्ट अटैक आने का दावा कर रहा था। जिसके चलते कल तक वह अस्पताल में भर्ती रहा। कल उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। कल ही पता चला कि उसे कोई हार्ट अटैक नहीं आया था।

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्थ दिल्ली के बुराड़ी थाने में विजिलेंस की टीम ने रेड करके 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हेड कॉन्स्टेबल को रंगेहाथ गिरफ्तार किया तो उसने हार्ट अटैक आने का ड्रामा किया।

यह खुलासा दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट के ही वरिष्ठ अधिकारियों ने किया है। दरअसल विजिलेंस का दावा है कि यह केवल आरोपी पुलिसकर्मी की विजिलेंस से बचने की चाल थी। जो ज्यादा दिन नहीं चल सकी।

कल अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे कोई हार्ट अटैक नहीं आया था। कल ही उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

रिश्वत लेते पकड़ा गया रंगेहाथ

विजिलेंस के अधिकारी ने बताया, 27 जून को हमारी एक टीम ने बुराड़ी थाने में रेड की थी। इसके बाद वहां 25 हजार रुपये की रिश्वत लेने के बाद एक हेड कॉन्स्टेबल को रंगेहाथ पकड़ लिया गया। मगर टीम के हत्थे चढ़ते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके चलते उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हार्ट अटैक आने का कर रहा दावा

बता दें कि आरोपी अपने दिल के पास हाथ रखकर हार्ट अटैक आने का दावा कर रहा था। जिसके चलते कल तक वह अस्पताल में भर्ती रहा। कल उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। कल ही पता चला कि उसे कोई हार्ट अटैक नहीं आया था। वह केवल पुलिस से बचने का ड्रामा कर रहा था। इसके बाद कल ही उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया गया। कोर्ट के सामने भी उसका बीमारी वाला ड्रामा नहीं चला और उसे जेल भेज दिया गया।

सख्त मेसेज देना चाहती है विजिलेंस

पुलिस अधिकारी ने कहा, हम यह बात केवल इसलिए मीडिया में बता रहे हैं ताकि भ्रष्टाचार करने वालों को सख्त मेसेज दिया जा सके। अगर वो भ्रष्टाचार करेंगे तो उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, उनका कोई ड्रामा या बहाना विजिलेंस के आगे नहीं चलेगा।

टावर लगाने पर मांगे थे 75 हजार

बता दें कि बुराड़ी थाने में तैनात आरोपी हेड कॉन्स्टेबल एक शख्स को केवल इसलिए प्रताड़ित कर रहा था कि उन्होंने अपने घर की छत पर टावर लगवा लिया था। बस इसी बात को लेकर वह उन पर 75 हजार रुपये देने का दबाव बनाने लगा। रुपये ना देने पर वह कार्रवाई करने की बात कहकर डराने लगा।

विजिलेंस को शिकायत कर दी

पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ सबूत जुटाए और विजिलेंस को शिकायत कर दी। 27 जून को आरोपी ने 75 हजार में से 25 हजार रुपये की लेने के लिए पीड़ित को थाने बुलाया था। विजिलेंस टीम ने 25 हजार रुपयों पर विशेष कैमिकल लगाकर पीड़ित को पुलिसकर्मी के पास भेज दिया।

आरोपी ने जैसे ही रिश्वत की रकम ली। पीड़ित ने बाहर अलर्ट खड़ी विजिलेंस की टीम को सूचना दे दी। बस फिर क्या था टीम ने थाने में घुसकर आरोपी पुलिसकर्मी को 25 हजार रुपये की रिश्वत के साथ पकड़ लिया था। मामले में [illegible] बुराड़ी को भी लाइन हाजिर कर दिया गया था।

संपादक की कलम से

गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या मिलेगा

आजाद भारत में महाराष्ट्र के नागपुर शहर में पहली बार सांप्रदायिक हिंसा की घटना हुई है। सौ साल पहले 1923 में तत्कालीन सी पी एंड बरार की राजधानी नागपुर में हिंदू-मुस्लिम झगड़े हुए थे, 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यहां स्थापना हुई, मुख्यालय बना और उसके बाद 1927 में फिर यह शहर सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में आया था। लेकिन आजादी के बाद नागपुर में सांप्रदायिक सद्भाव कायम रहा।

संघ की गतिविधियों के बावजूद इस शहर में अमन-चैन कायम रहा तो इसका बड़ा श्रेय यहां की जनता को दिया जाना चाहिए। लेकिन सोमवार को जिस तरह यहां एक अनावश्यक विवाद और उकसावे के बाद हिंसा भड़क गई, उसे देखकर यह दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जनता का एक वर्ग अपने विवेक को ताक पर रखकर सांप्रदायिक राजनीति में उलझ गया, जिसमें अंततः नुकसान उसी का होना है।

इस हिंसा की पहली जिम्मेदारी सीधे तौर पर राज्य और केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा पर आती है, हालांकि देश और दुनिया की सबसे ताकतवर कही जाने वाली इस पार्टी में जिम्मेदारी उठाने के कोई संस्कार नजर नहीं आते। अलबत्ता एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने की होड़ यहां लगी रहती है। इसलिए यह उम्मीद करना बेमानी है कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस इस हिंसा में अपनी सरकार की नाकामी स्वीकार करेंगे, उनके इस्तीफे का तो सवाल ही नहीं उठता, जिसकी मांग विपक्ष उठा चुका है। नागपुर श्री फड़नवीस का गृहनगर है। उनकी राजनीति की शुरूआत यहीं से हुई। इस बार भी उन्होंने यहीं से चुनाव जीता है। उनके अलावा केन्द्रीय गृह मंत्री नितिन गडकरी भी नागपुर से ही हैं। श्री गडकरी भी नागपुर से ही सांसद बने हैं।

भाजपा के इन दो कद्दावर नेताओं के रहते यहां किस तरह सांप्रदायिक शक्तियों को सिर उठाने का मौका मिला, यह सवाल तो भाजपा से बना है। दूसरा सवाल यह है कि सोमवार सुबह से ही नागपुर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे थे, तब पुलिस प्रशासन सतर्क क्यों नहीं हुआ। क्या इस महकमे को अहसास नहीं था कि इस तरह की घटनाएं अक्सर किस अंजाम को पहुंचती हैं। तीसरा सवाल, देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री होने के साथ-साथ गृह मंत्रालय भी संभाल रहे हैं और जब वे उपमुख्यमंत्री थे, तब भी गृहविभाग उनके ही पास था, फिर भी वे इतने बेखबर कैसे रहे कि उनके राज्य और उनके अपने शहर में कौन सी चिंगारी सुलग रही है। या इस चिंगारी को सुलगने और भड़कने देने का इंतजार उन्हें किन्हीं खास वजहों से था।

खैर, भाजपा या उसकी सरकार इन सवालों के जवाब देने की जगह विपक्ष को ही राजनीति करने का जिम्मेदार ठहरा देगी, इसकी पूरी उम्मीद है। नागपुर के अलावा सोमवार को महाराष्ट्र के कई और शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए, गनीमत है कि किसी अप्रिय घटना की खबर और कहीं से नहीं आई। फिलहाल एक अहम मुद्दे पर विचार करना जरूरी है कि हिंदूवादी संगठनों को यकायक औरंगजेब की कब्र हटाने का जुनून कैसे सवार हो गया है और इसके लिए कारसेवा का आान कर बाबरी मस्जिद तोड़ने की घटना किस प्रयोजन से याद दिलाई जा रही है? ऐसा नहीं है कि औरंगजेब की आलोचना पहली बार हुई हो। इतिहास के पन्नों में औरंगजेब को एक क्रूर शासक के तौर पर ही दर्ज किया गया है। लेकिन उस क्रूरता को वर्तमान में हिंसा और नफरत कायम करने की मूर्खता अभी की जा रही है। हाल ही में विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा के आने के बाद औरंगजेब पर विवाद और गहराया। इस फिल्म में शिवाजी के बेटे संभाजी की वीरता को दिखाना उद्देश्य था, लेकिन धर्म के उन्माद में डूबी जनता ने इसमें औरंगजेब के क्रूर चरित्र पर ज्यादा गौर फरमाया। रही-सही कसर बेतुकी राजनैतिक बयानबाजियों ने पूरी कर दी।

इस पूरे प्रकरण की कड़ी से कड़ी मिलाएं तो नजर आएगा कि जो कुछ भी कहा गया, आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए, ऐतिहासिक घटनाओं का मनमाना विश्लेषण हुआ, वह सब अनायास नहीं है, बल्कि एक चाल चलकर आगे की चार चालों का हिसाब लगाकर सारा खेल रचा गया। सपा सांसद अबू आजमी ने औरंगजेब के बारे में कहा था कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता और संपत्ति के लिए लड़ाई थी। अगर कोई कहता है कि यह लड़ाई हिंदू और मुसलमान को लेकर थी, तो मैं इस पर विश्वास नहीं करता। इस बयान पर महाराष्ट्र में विवाद खड़ा हुआ, तो श्री आजमी को विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया। उन्होंने सफाई भी दी कि उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया। लेकिन तब तक लाड़ली बहना योजना, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा जैसे अनेक मुद्दों पर घिरी फड़नवीस सरकार को एक नया मुद्दा मिल गया और इसे भाजपा ने भी फौरन लपक लिया। महाराष्ट्र के विवाद की आग जल्द ही देश के दूसरे हिस्सों में फैल गई और एकदम से हिंदूवादी संगठनों को औरंगजेब की कब्र हटाने का ख्याल आ गया। खुद मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा था कि पुरातात्विक संरक्षित स्मारक होने के कारण वे इसे हटा नहीं सकते। किसी ने औरंगजेब की कब्र को शौचालय बनाने कहा, किसी ने अरब सागर में फेंकने का सुझाव दिया। अब एक भाजपा नेता ने कहा है कि इस पर थूकने की इजाजत दी जाए, तो इससे महाराष्ट्र में पर्यटन बढ़ेगा। इस किस्म की बातों से भाजपा की इतिहास की समझ और नजरिए दोनों का अंदाज लगाया जा सकता है। औरंगजेब की कब्र अब कब तक कायम रहेगी या नहीं रहेगी, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन ऐसी बातों में उलझने वालों को विचार करना चाहिए कि इससे वर्तमान की समस्याएं क्या हल हो जाएंगी। लोगों के पास रोजगार नहीं है, 80 करोड़ लोग अपने आत्मसम्मान की कीमत पर पांच किलो राशन लेने के लिए कतारों में खड़े होते हैं, हमारे नागरिकों को अमेरिका जंजीरों में कैद करके वापस भेज रहा है, नोटबंदी का हिसाब अभी दिया नहीं गया है, कोरोना काल से अकाल मौतों का सिलसिला अब तक नहीं थमा है। क्या भूतकाल के गड़े मुर्दे उखाड़ने से वर्तमान और भविष्य सुधरेगा, कदापि नहीं।

सुबह दिखने वाले ये लक्षण डायबिटीज का हो सकते हैं संकेत, न करें नजरअंदाज

डायबिटीज के मामले में एक बड़ी समस्या यह है कि इसके लक्षण काफी देरी से पता चलते हैं. चूंकि डायबिटीज केवल कंट्रोल होती है तो मरीज को जीवनभर इसके साथ जीना पड़ता है, हालांकि डायबिटीज कभी भी अचानक नहीं होती है. इसके लक्षण काफी समय से दिखने लग जाते हैं, लेकिन लोग इनको नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे लक्षण बताने जा रहे हैं जो सुबह उठकर जरूर दिखते हैं. इस बारे में डॉक्टर ने बताया है.

दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अजीत जैन बताते हैं कि कुछ लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. अगर आप सुबह उठकर ज्यादा थकान महसूस करते हैं, बार-बार यूरिन आता है. गला सूखा रहता है. भूख अचानक बढ़ गई है या कम हो गई है तो यह सब डायबिटीज के लक्षण को सकते हैं. इनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. अगर ये लक्षण दिख रहे हैं तो आपको तुंरत अपना शुगर लेवल जांचना चाहिए. घर पर या फिर लैब जाकर आप अपना टेस्ट करा सकते हैं.

क्यों बढ़ रही डायबिटीज की बीमारी

डॉ जैन कहते हैं कि टाइप-1 डायबिटीज तो जेनेटिक कारणों से होती है, जबकि टाइप-2 खराब खानपान और बिगड़े हुए लाइफस्टाइल से होती है. पहले 50 साल की उम्र के बाद लोगों को टाइप-2 डायबिटीज होती थी, लेकिन अब कम उम्र में ही यानी 25 से 35 साल की उम्र में भी ये बीमारी हो रही है. इसका प्रमुख कारण खराब खानपान और लाइफस्टाइल ही है. लोगों की डाइट में जंक फूड बढ़ रहा है. शराब का सेवन की लत बढ़ रही है. सोने और जगने का पैटर्न बिगड़ रहा है. यही कारण है कि लोग टाइप-2 डायबिटीज का शिकार हो रहे हैं.

अब डायबिटीज की बीमारी देश में किसी महामारी की तरह फैल रही है. इस बीमारी के इलाज के लिए नई-नई दवाएं भी आ रही हैं. डायबिटीज के कारण लोगों को कई दूसरी बीमारियां तक हो रही हैं.

डायबिटीज से बचाव कैसे करें

नफरत, असमानता एवं नस्लीय भेदभाव से लड़ें

ललित गर्ग

नस्लवाद मानवता के माथे पर एक बदनुमा दाग है, यह सिर्फ. उन लोगों के जीवन को ही नुकसान नहीं पहुंचाता जो इसे झेलते हैं, बल्कि पूरे समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। हम सभी भेदभाव, विभाजन, अविश्वास, असहिष्णुता, घृणा और नफरत से भरे समाज में जीतते नहीं, बल्कि हारते हैं। नस्लवाद के खिलाफ लड़ाई हर किसी की लड़ाई है। नस्लवाद से परे एक दुनिया बनाने में हम सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से जनजागृति का माहौल बनाने के लिये प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व स्तर पर नस्लवाद के खिलाफ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाते हैं और दक्षिण अफ्रीका में 1960 के शार्पविले नरसंहार के पीड़ितों को याद करते हैं। हम उन लोगों की आवाज एवं दर्द सुनते हैं जो नस्लवाद के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। यह दिवस नस्लीय भेदभाव को खत्म करने और समानता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और नस्लवादी विचारों और प्रथाओं के खिलाफ चल रही लड़ाई को रेखांकित करता है, ताकि नस्लीय अलगाव से मुक्त वैश्विक समझ और एकता को बढ़ावा देते हुए नस्लमुक्त आदर्श एवं समानतामूलक दुनिया का निर्माण किया जा सके।

किसी व्यक्ति के साथ उसकी त्वचा के रंग, नस्ल, जातीय मूल या जन्म के देश के आधार पर भेदभाव करना नस्लीय भेदभाव कहलाता है। नस्लीय भेदभाव के जरिए लोगों को समान अवसरों से वंचित किया जाता है या उनका अपमान किया जाता है। नस्लवाद, विदेशी लोगों के प्रति घृणा और उससे संबंधित भेदभाव और असहिष्णुता सभी समाजों में, हर जगह मौजूद हैं।

21 दिसंबर, 1965 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 2106 (एक्सएक्स) के माध्यम से सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को अपनाया, जो नस्लवाद को मिटाने के वैश्विक प्रयास में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस वर्ष सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 60वीं वर्षगांठ है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों में से पहली के रूप में, नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने भविष्य के मानवाधिकारों की उन्नति के लिए मंच तैयार किया। 60वीं वर्षगांठ नस्लीय भेदभाव के खिलाफ की गई प्रगति पर चिंतन करने और मौजूदा चुनौतियों पर प्रकाश डालने का आान करती है। यह समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और नस्लवाद को खत्म करने के प्रयासों को जारी रखने का समय है, ताकि सभी व्यक्तियों, समाजों के लिए समान व्यवहार एवं समानतामूलक विश्व की संरचना सुनिश्चित हो सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में नस्लीय भेदभावमुक्त समाज को निर्मित करने के लिये प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार चाहती है कि नस्लवाद किसी भी स्थिति में और अवश्य ही समाप्त होना चाहिए। और हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर नस्ल, जाति, रंग, लिंग, पंथ में रुचि रखने वाले लोग एक-दूसरे से सुरक्षित और आपस में संबंधित है, जिससे कि हमारा आने वाला कल सौहार्दपूर्ण तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला हो। बावजूद इसके पूर्वोत्तर राज्यों एवं अन्य समाजों में नस्लीय भेदभाव पसरा है। नस्ल प्रभावित लोगों के खिलाफ बढ़ रही आपराधिक घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ये घटनाएं न सिर्फ राजधानी में इन राज्यों के लोगों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता की स्थिति को दशार्ती हैं, बल्कि यहां कानून-व्यवस्था के हालात पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। विगत एक वर्ष में दिल्ली में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें जहां हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण जैसे गंभीर आपराधिक मामले बड़ी संख्या में हैं, वहीं महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म, दुष्कर्म के प्रयास, छेड़छाड़, फोन पर फब्तियां कसने व घूरने जैसी घटनाओं को लेकर दर्ज किए गए, मामलों की संख्या भी कम नहीं है। यही नहीं, दिल्ली पुलिस की साइबर सेल के पास सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नस्लीय टिप्पणियां किए जाने संबंधी मामले भी आ रहे हैं। इस तरह तेजी से बढ़ती आपराधिक घटनाएं राजधानी में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों में असुरक्षा का भाव पैदा कर रही हैं जो गंभीर चिंता का विषय है। ये स्थितियां भारत के नस्लीय भेदभाव के विरोध और अश्वेतों को समान अधिकार और प्रतिष्ठा दिए जाने की वकालत को भी धुंधलाती है। क्या कारण है कि देश के भीतर के सामाजिक विभाजन एवं नस्लीय भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने के बावजूद उसे मिटा नहीं रहे हैं। भले ही ऐसी वारदातें पुलिस की नजर में छोटी हों लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता एवं गौरवपूर्ण संस्कृति के लिये चिन्ताजनक है। तेजी से बढ़ता नस्लीय हिंसक दौर किसी एक प्रान्त का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल एवं भारत की आत्मा को जख्मी बनाया है। अब इन हिंसक होती स्थितियों को रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है।

देश में कई विसंगतिपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण धाराएं बलशाली हो रही हैं, जिन्होंने जोड़ने की जगह तोड़ने को महिमामंडित किया हैं, प्रेम, आपसी भाईचारे और सौहार्द की जगह नफरत, द्वेष एवं विघटन को हवा दी। शायद यही वजह है कि भारत में अब भी लोग हर तरह के वर्ग और समुदाय के साथ घुल-मिलकर रहना सीख नहीं पाए हैं। उनके अचेतन में बिठा दिए गए पूर्वाग्रह समय-समय पर खतरनाक ढंग से सामने आते रहते हैं। एक आधुनिक और सभ्य समाज का लक्षण यह है कि वह अलग-अलग धाराओं से आने वाले लोगों और विचारों को खुले मन से स्वीकारें। आज राजनेता अपने स्वार्थों की चादर ताने खड़े हैं अपने आपको तेज धूप से बचाने के लिये या सत्ता के करीब पहुंचने के लिये। सबके सामने एक ही अहम सवाल आ खड़ा है कि जो हम नहीं कर सकते वो तुम कैसे करोगे? लगता है इसी स्वार्थी सोच ने, आग्रही पकड़ ने, राजनीतिक स्वार्थ की मनोवृत्ति ने देश को इंसानों को नस्ल, भाषा, रंग, धर्म के भेदभावों की आग में झोंक रखा है।

इक्कीसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। नस्लीय भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। नस्लीय भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देते हैं, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे नस्लवाद के खिलाफ उन्मूलन के दिवस के आंदोलन ने गति पकड़ी, नस्लीय भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृतकाल-2047 तक नये भारत-विकसित भारत-सशक्त भारत निर्मित करने की योजनाओं के साथ भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया हैं, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव को मजबूती दी हैं। इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को ढहाया जा रहा है। इंसान ने भेदभाव की नीति अपनाते हुए संसार को बाँट दिया। मानव और मानव के बीच में जो नस्ल, जाति, भाषा, रंगभेद की दीवारें खड़ी हैं, उनको ढहाना होगा, और इसके लिए नस्लवाद के खिलाफ उन्मूलन के दिवस जैसे विश्व अभियान को अधिक सशक्त, कार्यकारी एवं सक्रिय करने की आवश्यकता है।

जल संरक्षण से कल सुरक्षित होगा

राज कुमार सिन्हा

गर्मी की आहट शुरू होते ही पीने के पानी का संकट शुरू हो जाता है। प्रशासनिक अमला भी लोगों को पानी की दिक्कत न हो इसके लिए प्रयास करना शुरू कर देता है। परन्तु पानी बचाने से लेकर उसके संरक्षण की बात अक्सर सरकार और समाज के बीच से गायब ही रहता है। पृथ्वी पर 97 प्रतिशत भाग पानी है जिसमें से केवल 2.5 प्रतिशत से लेकर 2.75 प्रतिशत पानी पीने योग्य है।

भारत पहली बार 2011 में पानी की कमी वाले देशों की सूची में शामिल हुआ था। यूनिसेफ द्वारा 18 मार्च 2021 की जारी रपट के अनुसार भारत में 9.14 बच्चे गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। अनुमान है कि 2030 तक देश की लगभग 40 फीसदी आबादी के सामने पानी का संकट होगा।

वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डबल्यू आर आई) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार यदि जल प्रबंधन से जुड़ी नीतियों में सुधार नहीं किया गया तो इसके चलते आने वाले 27 वर्षों में भारत, चीन और मध्य एशिया को उसके जीडीपी के 7 से 12 प्रतिशत के बराबर का नुकसान हो सकता है। देश का 70 फीसदी भूजल स्त्रोत सूख चुके हैं और पुनर्भरण की दर 10 फीसदी से भी कम रह गई है। चेन्नई, बेंगलुरु जैसे शहर पानी की कमी को लेकर खबरों की सुर्खियों में है। इसलिए पीने योग्य पानी सभी को उपलब्ध करवाने और इसे संरक्षि?त करने कानून बनाया गया।

संविधान के भाग (9) में तिहतरवें संशोधन के अनुच्छेद 243(छ) में आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय के लिए योजना बनाने की शक्ति पंचायत को दिया गया है। जो ग्यारहवीं अनुसूची में लिस्टेड है। 11 नबंर पर पेयजल व्यवस्था का उल्लेख किया गया है। महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव उन्मूलन अधिनियम 1979 के अनुच्छेद 14(2)(एच) में महिलाओं के लिए पानी प्रावधानों का उल्लेख करता है। बाल अधिकार अधिनियम 1989 के अनुच्छेद 24(2)(सी) में स्वच्छ स्त्रोत से सुरक्षित पेयजल प्राप्त करना बच्चों का अधिकार है। जल(प्रदूषण, नियंत्रण एवं रोकथाम) अधिनियम 1974 भारत में जल प्रदूषण रोकने हेतु महत्वपूर्ण कानून है। नदियों और धाराओं में अपशिष्टों के विसर्जन को रोकने हेतु दो प्रकार की नियामक विधियों की वयवस्था करता है। (1) केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (2) राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड। 2024 में इस कानून में संशोधन किया गया है। मूल अधिनियम में जल प्रदूषण के उल्लंघनों के लिए जुमार्ने के साथ- साथ डेढ साल से 6 साल तक की जेल की सजा का भी प्रावधान था। जबकि नए विधेयक में अधिकांश उल्लंघनों के लिए कारावास के प्रावधान को हटाने का प्रस्ताव है और इसकी जगह 10,000 रुपये से 15 लाख तक जुमार्ना लगाया गया है।

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 में भी जल गुणवत्ता सबंधी नियम शामिल है। मध्यप्रदेश पेयजल परीक्षण अधिनियम 1986 भी काफी महत्वपूर्ण है। ग्राम स्तर की जैव विविधता समिति को केन्द्रीय जैव विविधता अधिनियम 2002 की धारा(41) और मध्यप्रदेश जैव विविधता नियम 2004 के नियम (23) अनुसार अपने अधिकारिता क्षेत्र में पारिस्थितिकीय तंत्र को बनाये रखना है,जिसमें नदी संरक्षण सम्मलित है।

वन अधिकार कानून 2006 की धारा (5)(ख) कहता है कि यह सुनिश्चित करना कि लगा हुआ जलागम क्षेत्र,जल स्त्रोत और अन्य पारिस्थितिकीय संवदेनशील क्षेत्र पर्याप्त रूप से संरक्षित हैं। मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) पेसा नियम -2022 की कंडिका 12(1)(ख) में भी उल्लेख किया गया है कि ग्राम के क्षेत्र के भीतर स्थित प्राकृतिक संसाधनों को, जिसके अंतर्गत भूमि, जल तथा वन अनुरूप और तत्समय प्रवृत अन्य सुसंगत विधियों का सम्यक ध्यान रखते हुए, प्रबंधित करना जैसे मजबूत प्रावधान भी हैं।

भारत सक्षम है खुशी के उजालों को उद्घाटित करने में

यह लोगों के जीवन में खुशी के महत्व को मनाने और पहचानने तथा व्यक्तियों, समुदायों और संगठनों को खुशी और खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करने का दिन है। यह दिन पहली बार 2013 में मनाया गया था और तब से, यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। यह दिवस कोरा दिवस नहीं, एक आन्दोलन है, जो इस विश्वास पर आधारित है कि खुशी एक मौलिक मानव अधिकार है और खुशी और कल्याण को बढ़ावा देने से एक अधिक शांतिपूर्ण, न्यायसंगत और टिकाऊ दुनिया बन सकती है। यह जीवन को बदलने और दुनिया को सभी के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुशी की शक्ति का जश्न मनाने का दिन है। इस वर्ष की थीम एक साथ खुश रहो है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि खुशी पाने के लिए दूसरों से जुड़ाव महसूस करना और किसी बड़ी चीज का हिस्सा बनना यानी बड़ी सोच-बड़े कदम जरूरी है। हम खुशी की मशाल को आगे बढ़ाएं, जहाँ भी हम जाएँ, खुशियाँ फैलाएँ, खुशियों का संसार गढ़े। विश्व प्रसन्नता दिवस के अवसर पर विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 जारी की, जिसमें भारत 143 देशों में से 126वें स्थान पर है। भारत लीबिया, इराक, पाकिस्तान, फिलिस्तीन और नाइजर जैसे देशों से पीछे है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ सातवां सबसे बड़ा भू-भाग रखने वाले भारत की तुलना दुनिया के छोटे-छोटे, निम्न आबादी एवं कम चुनौतियों का सामना करने वाले देशों से कैसे की जा सकती है? खुशहाली को महज आर्थिक प्रगति और संसाधनों की अधिकता के मद्देनजर देखा जाना भी कैसे उपयुक्त माना जा सकता है। जिन देशों को खुशहाल बताया गया है वहां आबादी, चुनौतियां बहुत कम हैं तथा धार्मिक संघर्ष भी नहीं है। ऐसे छोटे देशों की सरकारों को किसी समस्या को सुलझाने में ज्यादा समय नहीं लगता। उनकी तुलना बड़ी-बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे भारत जैसे विशाल देश से कैसे की जा सकती है?

वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट में भारत के दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने एवं औद्योगिक-तकनीकी क्रांति जैसे कुछ चमकीले परिदृश्य को ध्यान में नहीं रखा गया है, जिनकी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक सहित दुनिया के कई संगठन अपने शोध पत्रों के आधार पर सराहना कर रहे हैं। भारत में मानव विकास के तहत गरीबी में कमी लाने के प्रयास को भारी सफलता मिली है। पिछले एक दशक में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। भारत आम आदमी को डिजिटल दुनिया से जोड़ने वाला विश्व का प्रमुख देश बना है। सबसे अहम बात भारत की संस्कृति एवं सभ्यता में प्रसन्नता के मौलिक तत्व एवं गुण निहित है, जिनको अपनाकर दुनिया तनावमुक्त, प्रसन्न होती है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है।खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं, संसाधनों से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। प्रसन्न समाज निर्माण के सन्दर्भ में विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। खुशहाल भारत को निर्मित करने के लिये आइये! अतीत को हम सीख बनायें। उन भूलों को न दोहरायें जिनसे हमारी रचनाधर्मिता जख्मी हुई है। जो सबूत बनी हैं हमारे असफल प्रयत्नों की, अधकचरी योजनाओं की, जल्दबाजी में लिये गये निर्णयों की, सही सोच और सही कर्म के अभाव में मिलने वाले अर्थहीन परिणामों की। एक सार्थक एवं सफल कोशिश करें खुशहाली को पहचानने की, पकड़ने की और पूर्णता से जी लेने की। अन्यथा नकारात्मक सोच के घनघोर अंधेरों के बीच तो चेहरे बुझे-बुझे ही रहेंगे। न कुछ जोश होगा न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय ओर खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। ऐसे माहौल में व्यक्ति खुशहाल कैसे हो सकता?

यह समय की मांग है कि देश में करोड़ों लोगों की गरीबी, भूख, कुपोषण, डिजिटल शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, ग्रामीण युवाओं के तकनीकी प्रशिक्षण और स्वास्थ्य की चुनौतियों को कम करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करे। ऐसे प्रयासों से ही आम भारतीय के चेहरे पर मुस्कुराहट बढ़ेगी, देश में खुशहाली आएगी। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र ने नए मानव विकास सूचकांक में भारत की औसत बढ़त को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ कहा है। पिछले एक वर्ष में भारतीयों की औसत आमदनी में 6.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। भारत में जीवन प्रत्याशा में शानदार वृद्धि हुई है। कुछ वर्ष पहले भारत में जीवन प्रत्याशा का औसत 62.2 था, जो अब बढ़कर 67.7 हो गया है। भारत ने लैंगिक असमानता को कम करने में भी सफलता पाई है। सरकार एवं सत्ताशीर्ष पर बैठे लोगों को निस्वार्थ होना जरूरी है। उनके निस्वार्थ होने पर ही आम आदमी के खुशहाली के रास्ते उद्घाटित हो सकते हैं। तभी आम आदमी को ऊर्जा एवं सकारात्मकता से समृद्ध किया जा सकता है, और तभी जीवन को आनंदित बनाया जा सकता हैं। यही आनन्द एवं खुशहाली समाज और राष्ट्र के लिए भी ज्यादा उपयोगी साबित हो सकती है। कामना हमें शुभ, सुखमय एवं खुशहाल जीवन की करनी होगी। लेकिन इसके लिये अवसरवादी, अनैतिक एवं गलत मूल्यों के खिलाफ आवाज भी तो उठानी ही होगी। अगर हमने कुछ लोगों को भी अपराध और भ्रष्टाचार के विरोध में जागृत कर सके तो हम खुशहाल जीवन के सपने को साकार कर सकेंगे। राजनीति की दूषित हवाओं ने भारत की चेतना को प्रदूषित कर दिया है।

हम सरकार के बदलते चेहरों को देखने के अभ्यस्त हो गए हैं, सत्ता के गलियारों में स्वार्थों की धमाचौकड़ी ने ही आम आदमी की खुशियों को छीन लिया है।

बुराइयां तभी छूटती है जब उनके गलत परिणामों का सही ज्ञान होता है और अच्छाइयां जीवन में स्थायित्व तभी पाती है जब उनके साथ निष्ठा, संकल्प एवं प्रयत्न की गतिशीलता और निरन्तरता जुड़ जाती है। हर किसी की खुशी की अपनी परिभाषा होती है, या ऐसी चीजें जो उन्हें खुश करती हैं, यही वजह है कि इस दिन के लिए कोई परंपरा तय नहीं की गई है। खुशी का मतलब है संतुष्ट महसूस करना और अपनी भावनाओं का दिखावा न करना, इसलिए जो भी आपको खुश करता है, आप वही करें!

धन, सुविधाएं या वैभव ही प्रसन्नता के माप नहीं है। आंतरिक रूप से खुश रहना, आपके आस-पास के माहौल से संतुष्ट होना ही प्रसन्न होने की कुंजी है, इसलिए खुद को चुनौती दें और नए लोगों और अनुभवों के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे खुले रखें। छोटी-छोटी चीजों को संजोएं और उस पल में हर चीज के लिए आभारी रहें।

माली की सेना ने इस्लामिक स्टेट के विदेशी नेता को किया गिरफ्तार

एजेंसी

बमाको। पश्चिमी अफ्रीकी देश माली की सेना ने उत्तरी माली में 'इस्लामिक स्टेट इन द ग्रैंड सहारा' के एक नेता और उसके अंगरक्षक को गिरफ्तार किया है। सेना ने बताया कि चा-माने क्षेत्र में हुयी मुठभेड़ के दौरान एक विदेशी आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। वह स्थानीय लोगों को जबरन अभियान में शामिल करने की कोशिश कर रहा था। गिरफ्तारी खुफिया जानकारी के आधार पर की गयी। गिरफ्तार किये गये अन्य लोगों की पहचान नहीं बतायी गयी है।

टेक्सास में सात वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

ह्यूस्टन। उत्तरी टेक्सास में टेरेल के पास सात वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। टेक्सास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटनाएं तब हुई जब एक ट्रक-ट्रैक्टर चालक को नींद आ गई औरवह एक अन्य वाहन से टकरा गया, जिसमें पांच लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि ट्रक-ट्रैक्टर ने दो अन्य वाहनों से टकराने के बाद तीन अन्य कारों को भी टक्कर मार दी। टेरेल वालंटियर अग्निशमन विभाग ने कहा कि घायलों में से कम से कम एक की हालत गंभीर है। दुर्घटना के कारण अंतरराज्यीय मार्ग 20 को बंद करना पड़ा और कई एजेंसियों ने आपातकालीन कार्रवाई शुरू की।

चीन में भारी वर्षा के लिए येलो अलर्ट जारी

बीजिंग । चीन के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा के लिये रविवार को येलो अलर्ट जारी किया गया। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि रविवार सुबह आठ बजे से सुबह आठ बजे तक सिचुआन, गांसू, शानक्सी, चोंगकिंग, हुबेई, झेजियांग, फुजियान, अनहुई, जियांग्सू, शेडोंग, हेबई और लियाओनिंग के प्रांतीय स्तर के क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने और तूफान आने का अनुमान है। केंद्र ने कहा कि सिचुआन बेसिन के कुछ हिस्सों में 300 मिलीमीटर तक मूसलाधार बारिश होने के आसार हैं। केंद्र ने स्थानीय अधिकारियों को भारी बारिश के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है और सुझाव दिया है कि शहरी क्षेत्रों और कृषि भूमि में आवश्यक जल निकासी उपाय किये जाने चाहिये।

जापान ने एच2ए रॉकेट का अंतिम बार किया प्रक्षेपण

टोक्यो। जापान के एच2ए रॉकेट का 50वां और अंतिम सफल प्रक्षेपण आज तड़के किया गया , जिससे इसकी 20 साल से अधिक की सेवा प्रदाता यात्रा समाप्त हो गयी। यह प्रक्षेपण कागोशिमा प्रांत के तनेगाशिमा स्पेस सेंटर से निर्धारित समय पर किया गया। अंतिम मिशन में 'इबुकी-जीडब्ल्यू' सैटेलाइट भेजा गया जिसे जापान के पर्यावरण मंत्रालय, राष्ट्रीय पर्यावरण अध्ययन संस्थान और अंतरिक्ष एजेंसी ने मिलकर विकसित किया है। यह सैटेलाइट अंतरिक्ष से ग्रीनहाउस गैसों की निगरानी करेगा। उल्लेखनीय है कि 2001 की शुरुआत के बाद से एच2ए रॉकेट ने जापान की अंतरिक्ष और वैज्ञानिक प्रगति में अहम भूमिका निभायी और तथा अनेक उपग्रह को कक्षाओं में भेजा। इसी बीच, 2003 की एक असफलता को छोड़ सभी प्रक्षेपण सफल रहे। इसके बाद, अब जापान पूरी तरह से अपने अगली पीढ़ी के एच3 रॉकेट पर निर्भर होगा, जिसका उद्देश्य लागत घटाना और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाना है।

चाइना ईस्टर्न एअरलाइंस के प्रमुख जांच के घेरे में

बीजिंग। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के पूर्व अध्यक्ष लियू शाओयोंग के खिलाफ अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघनो के कथित आरोपो के तहत जांच की जा रही है। आज जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार श्री लियू के खिलाफ कथित आरोपो की जांच चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग और राष्ट्रीय पर्यवेक्षण आयोग कर रहा है। वह कंपनी के प्रमुख पार्टी सदस्य समूह के सचिव के रूप में भी काम कर चुके हैं।

गाजा में युद्धविराम के लिए ट्रंप ने बढ़ाया दबाव, हमास से बंधकों को रिहा करने की मांग

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और हमास से गाजा में एक समझौता करने का आग्रह किया है। इस समझौते का मकसद 7 अक्टूबर 2023 को अपहरण किए गए शेष बंधकों को वापस लाना है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ' सोशल नेटवर्क पर लिखा, 'गाजा में समझौता करें। बंधकों को वापस लाएं।

ट्रंप के इस पोस्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्धविराम समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दबाव डाल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप पहले ही भविष्यवाणी कर चुके हैं कि एक हफ्ते के अंदर इस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। ट्रंप ने इस 'ट्रुथ' पोस्ट से पहले बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे की आलोचना की थी। ट्रंप ने दावा करते हुए कहा कि इससे गाजा और ईरान के साथ डील करने की कोशिशों को

नुकसान पहुंचेगा। डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि नेतन्याहू के साथ जो हो रहा है, वह भयावह है। ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री को 'युद्ध नायक' बताते हुए कहा कि उन्होंने ईरान के न्यूक्लियर खतरे से छुटकारा दिलाने में अमेरिका के साथ शानदार काम किया है। ट्रंप ने नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे मुकदमे को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि न्याय का यह मजाक ईरान और हमास, दोनों की वार्ता में बाधा डालेगा। ट्रंप कुछ दिन पहले गाजा पट्टी में युद्धविराम का दावा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए उन लोगों से बात की है, जो इस समझौते को सुरक्षित करने की कोशिश में शामिल हैं।7 अक्टूबर 2023 को इजरायल के नोवा फेस्टिवल में हमास ने अचानक हमला किया था, जिसमें करीब 1,200 लोग मारे गए। इसके साथ ही 251 लोगों को बंधक बना लिया गया। हालांकि, हफ्तों की कोशिशों के बाद कई बंधकों को रिहा किया गया। वहीं, इजरायली सेना की कार्रवाई में भी कई बंधकों को सुरक्षित वापस लाने में सफलता मिली।

इजराइल ने हमास के टॉप कमांडर इसा अल-इसा को मार गिराने का दावा किया

एजेंसी

तेल अवीव। हमास के साथ संघर्ष में इजराइल को अहम कामयाबी मिली है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने हमास की मिलिट्री विंग के संस्थापकों में से एक हखाम मुहम्मद इसा अल-इसा को मार गिराया है। अल-इसा को 7 अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। आईडीएफ ने देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि उसने हखाम मुहम्मद इसा अल-इसा को मार गिराया है। आईडीएफ के मुताबिक अल-इसा हमास की सैन्य शाखा का संस्थापक था जिसने हमास की ताकत बढ़ाने, ट्रेनिंग कराने और 7 अक्तूबर के नरसंहार की योजना बनाई थी। इजराइल ने अपना इरादा साफ करते हुए कहा है कि वह 7 अक्तूबर के हमले में शामिल सभी आतंकियों को तलाश कर खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

प्रधानमंत्री ओली को चुनौती, पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने सक्रिय राजनीति में वापसी का किया ऐलान

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) यानी नेकपा एमाले के अध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को चुनौती देते हुए सक्रिय राजनीति में वापसी की औपचारिक घोषणा कर दी है। राजधानी काठमांडू में आयोजित घोषणा सभा कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने पार्टी के नेतृत्व पर दावा करते हुए सक्रिय राजनीति में वापसी की घोषणा की है। इस सभा में उन्होंने प्रधानमंत्री ओली को भी आमंत्रित किया। ओली इस कार्यक्रम में आए भी, लेकिन अपना संबोधन करके वापस चले गए। विद्या भंडारी ने कहा कि पार्टी और देश की परिस्थिति ठीक नहीं है। आम लोगों में और पार्टी के कार्यकर्ताओं में व्यापक असंतुष्टि है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अधिकांश नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी का नेतृत्व परिवर्तन होना चाहिए। इसी तरह देश की जनता भी नेतृत्व परिवर्तन के पक्ष में है। पूर्व राष्ट्रपति

का कहना है कि मैंने अंतिम समय तक सक्रिय राजनीति में रह कर पार्टी का काम करने और अवसर मिलने पर देश का नेतृत्व करने की सोच बनाई है। भंडारी ने कहा कि जल्द ही नेकपा एमाले का विधान अधिवेशन होने वाला है और उसमें ही पार्टी का भविष्य तय किया जाएगा।उन्होंने कहा कि नेपाल इस पार्टी में मेरा भी उतना ही योगदान है, जितना किसी और का। मैंने पार्टी के निर्णय के आधार पर ही राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा और दो कार्यकाल तक देश की सेवा की है। पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने कहा कि नेपाल के संविधान में यह कहीं नहीं लिखा है कि पूर्व राष्ट्रपति सक्रिय राजनीति में नहीं आ सकते हैं। भंडारी ने कहा कि जब तक सामाजिक जीवन में है और जब तक देश और जनता के लिए आप अपना योगदान दे सकते हैं आपको देना चाहिए।

पाकिस्तान में भारी बारिश और बाढ़ ने ली 32 लोगों की जान, बचाव व्यवस्था पर उठे सवाल

एजेंसी

इस्लामाबाद/स्वात। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने तबाही मचा दी है। पिछले 36 घंटे में इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 32 लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें 16 मासूम बच्चे भी शामिल हैं। सबसे दर्दनाक हादसा स्वात जिले में हुआ, जहां एक पर्यटक परिवार नदी में फंसा रह गया और बहाव में बह गया। जानकारी के अनुसार यह पर्यटक परिवार स्वात नदी के किनारे नाश्ता कर रहा था, तभी अचानक तेज बाढ़ आ गई। बाढ़ में परिवार के कई सदस्य बह गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि परिवार एक छोटे से टापू पर फंसा था और मदद का इंतजार करता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि परिवार एक घंटे से भी ज़्यादा समय तक मदद के इंतजार में रहा, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई त्वरित कार्रवाई नहीं हुई। खैबर पख्तूनख्वा में सत्ता में मौजूद इमरान

खान की पार्टी पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम ने बताया कि लापरवाही बरतने पर स्वात जिले के चार वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित किया गया है। मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। शेख वकास ने बताया, ÷21 जून को बाढ़ को लेकर एक बैठक बुलाई गई थी, जिसके बाद चेतावनी जारी की गई थी। मस्जिदों के लाउडस्पीकर से लोगों को सतर्क किया गया और नदी के किनारे न जाने की अपील की गई थी। 71 लोगों के खिलाफ चेतावनी का उल्लंघन करने पर मामले भी दर्ज किए गए थे। बचाव दल के अधिकारी के अनुसार, स्वात नदी में बहे इस परिवार के कुल 17 सदस्य बाढ़ में फंस गए थे। अबतक 9 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि चार लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। वहीं, चार की तलाश जारी है। बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है।

दक्षिणी लेबनान पर इजरायली हवाई हमले में दो लोगों की मौत

एजेंसी

बेरूत। दक्षिणी लेबनान के महरौना कस्बे में एक इजरायली ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गयी और एक व्यक्ति घायल हो गया। लेबनानी सुरक्षा सूत्रों और आधिकारिक मीडिया ने बताया कि हमले में मोटरसाइकिल सवार हिज़्बुल्लाह सदस्य अब्बास वहबी को निशाना बनाया गया। हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पास से गुजर रहे वाहन में सवार एक महिला की भी मौत हो गयी, जबकि उसका पति घायल हो गया। महिला दक्षिणी लेबनान के ज्वाया गांव की निवासी थी। लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने ड्रोन हमले और हताहतों की पुष्टि की है। यह हमला 27 नवंबर 2024 से लागू संघर्षविराम समझौते के बावजूद हुआ जिसे अमेरिका और फ्रांस ने हिज़्बुल्लाह तथा इजरायल के

बीच कराया था। यह समझौता गाजा युद्ध के बाद शुरू हुयी सीमा पार झड़पों को रोकने के लिए किया गया था। इजरायली सेना हिज़्बुल्लाह के खतरे का हवाला देते हुये लेबनान में समय-समय पर हमले जारी रखे हुये है। हिज़्बुल्लाह के महासचिव नैम कासिम ने कहा कि उनकी पार्टी ने संघर्षविराम की शर्तों का पूरी तरह पालन किया है जबकि उन्होंने

> पास से गुजर रहे वाहन में सवार एक महिला की भी मौत हो गयी, जबकि उसका पति घायल हो गया।

इजरायल पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, लेबनान के दक्षिण में इजरायल के लगातार उल्लंघन अस्वीकार्य हैं और इनका जवाब जरूर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हिज़्बुल्लाह भविष्य में किसी भी इजरायली कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार है और किसी धमकी या बाहरी दबाव से नहीं डरेगा।

गाजा में इजराइली हमलों में कम से कम 62 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा सिटी। इजराइल की ओर से और किए गए ताजा हवाई हमलों में गाजा में कम से कम 62 लोगों की जान चली गई। स्वास्थ्यकर्मियों और स्थानीय अस्पतालों ने इस जानकारी की पुष्टि की है। मरने वालों में कई बच्चे, महिलाएं और विस्थापित लोग शामिल हैं। गाजा के दक्षिणी शहर खान यूनुस के निकट मुवासी क्षेत्र में एक टेंट शिविर पर हुए हमले में एक ही परिवार के तीन बच्चों और उनके माता-पिता की मौत हो गई। रिश्तेदारों ने बताया कि हमला उस समय हुआ जब वे सो रहे थे। बच्चों की दादी सुआद अबू तैमा ने रोते हुए कहा, इन बच्चों ने क्या किया था? इनका क्या कसूर था? घटना के बाद लोगों ने शवों को फूलों से ढंका और उनके माथे चूमकर विदाई दी। गाजा सिटी में फिलिस्तीन स्टेडियम के पास विस्थापितों की शरणस्थली पर हमला हुआ, जिसमें 12 लोग मारे गए। इसके अलावा, आठ लोगों की मौत आसपास की इमारतों में हुई। शिफा अस्पताल के कर्मचारियों ने इनकी पुष्टि की है। नासर अस्पताल में 20 से अधिक शव लाए गए हैं। दोपहर को पूर्वी गाजा सिटी की एक सड़क पर भी हमला हुआ, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई। उनके शव अल-अहली अस्पताल लाए गए। वहीं, मध्य गाजा स्थित बुरेज शरणार्थी शिविर के प्रवेश द्वार पर एकत्र लोगों पर हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जिन्हें अल-अवदा अस्पताल ले जाया गया। गाजा में लगातार बढ़ते हमलों ने पहले से ही भयावह मानवीय संकट को और विकराल बना दिया है। अस्पतालों में जगह की कमी हो रही है और शवगृहों में मृतकों के लिए पर्याप्त स्थान नहीं बचा है। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न मानवाधिकार संगठनों ने बार-बार संघर्षविराम और नागरिकों की सुरक्षा की अपील की है।

वेस्ट बैंक में इजराइली सैनिकों पर इज़रायली बस्तिवासियों का हमला, 6 गिरफ्तार

एजेंसी

जेरूसलम। वेस्ट बैंक में एक हैरान करने वाली घटना में दर्जनों इजराइली नागरिकों, जिनमें हाल ही में बसे बस्तिवासी भी शामिल थे, ने इजराइली सेना (आईडीएफ) के सैनिकों पर हमला कर दिया। यह घटना फिलीस्तीनी कस्बे कफ़र मलिक के पास देर रात हुई। इस हमले में एक बटालियन कमांडर सहित कई सैनिक घायल हुए, जबकि छह इजराइली नागरिकों को गिरफ्तार कर पुलिस के हवाले किया गया। आईडीएफ के बयान के अनुसार, यह घटना तब हुई जब सैनिकों ने कुछ इजराइली नागरिकों को एक निषिद्ध सैन्य क्षेत्र में घुसते हुए देखा। जब सैनिकों ने उन्हें वहां से हटाने की कोशिश की, तो करीब 40 बस्तिवासियों ने एकत्र होकर पत्थरबाजी की, सैनिकों पर हमला

किया और सुरक्षा वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। कुछ ने तो वाहनों से सैनिकों को टक्कर मारने की भी कोशिश की। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने इस घटना की कड़ी निंदा की और वेस्ट बैंक के बस्तिवासी नेताओं से अपील की कि वे इस प्रकार की हिंसा और कानून को हाथ में लेने की प्रवृत्ति का कड़ा विरोध करें।

उन्होंने कहा, इजराइल सैनिकों के खिलाफ हिंसा और अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगा। ये वही सैनिक हैं जो दिन-रात वेस्ट बैंक (जुडिया और समारिया) में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं और बस्तिवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब वेस्ट बैंक में पहले से ही तनाव व्याप्त है। बीते बुधवार को भी एक घटना में इजराइली बस्तिवासियों के हमले में तीन फिलीस्तीनी नागरिक मारे गए थे और सात घायल हुए थे। लगातार बढ़ती हिंसा ने इजराइल के भीतर ही सुरक्षा और नीति निर्धारण को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उत्तरी अफगानिस्तान में जल आपूर्ति नेटवर्क का उद्घाटन, 463 परिवारों को मिलेगा स्वच्छ पानी

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी प्रांत सारी पुल में एक नई जल आपूर्ति परियोजना का उद्घाटन किया गया। राज्य संचालित बख्तर समाचार एजेंसी के अनुसार, यह परियोजना पूरी तरह से तैयार हो चुकी है और इसे अब औपचारिक रूप से चालू कर दिया गया है। करीब 8 मिलियन अफगानी (लगभग 1.13 लाख अमेरिकी डॉलर) की लागत से बने इस जल नेटवर्क के माध्यम से 463 परिवारों को स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके अतिरिक्त यह परियोजना क्षेत्र के किसानों को सैकड़ों एकड़ भूमि की सिंचाई में भी सहायता प्रदान करेगी। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना स्थानीय विकास, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। सरकार और स्थानीय

प्रशासन ने इसे ग्रामीण क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए एक मॉडल परियोजना बताया है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान लंबे समय से गंभीर सूखे की चपेट में है, जिससे राजधानी काबुल समेत कई बड़े शहरों में पीने के पानी की भारी कमी देखी जा रही है। ऐसे में यह जल आपूर्ति नेटवर्क, स्थानीय लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार ला सकता है।

आसिम मुनीर ने फिर दी गीदड़भभकी, ऑपरेशन सिंदूर में मार खाने के बाद फिर अलापा कश्मीर राग

एजेंसी

तेल अवीव/बेरूत। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने एक बार गीदड़ भभकी दिखाई है और भारत के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की बात कही है। पाकिस्तान नेवल एकेडमी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाया और कहा कि भारत क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा रहा है। आसिम मुनीर ने फिर से कश्मीर राग अलापा। इससे पहले भी आसिम मुनीर ने भारत के खिलाफ जहर उगला था, जिसके बाद पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आसिम मुनीर ने आरोप लगाया कि भारत ने दो बार बिना उकसावे के सैन्य कार्रवाई की।

मुनीर ने कहा कि भारत की ये कार्रवाई उसकी रणनीतिक दूरदर्शिता की कमी को दर्शाती हैं। मुनीर ने कहा कि अगर भारत ने भविष्य में भी ऐसी कोई कार्रवाई की तो पाकिस्तान निर्णायक जवाब देगा। हास्यपद तरीके से मुनीर ने भारत पर क्षेत्रीय शांति को अस्थिर करने का आरोप लगाया और कहा कि भारत, पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों को कमतर आंकता है। मुनीर ने शेखी बघारते हुए कहा कि उकसावे के बावजूद पाकिस्तान ने काफी संयम बरता।

पूर्व मिनेसोटा हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन को अंतिम विदाई, बाइडेन-हैरिस और गवर्नर वॉल्ज हुए शामिल

एजेंसी

मिनियापोलिस। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज मिनेसोटा की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। 1,000 से अधिक शोक संतप्त नागरिकों के बीच यह श्रद्धांजलि सभा उनके राजनैतिक योगदान और मानवीय मूल्यों को याद करते हुए आयोजित की गई। गवर्नर टिम वॉल्ज ने अपने भाषण में कहा, मेलिसा हॉर्टमैन मिनेसोटा के इतिहास की सबसे प्रभावशाली स्पीकर थीं। मैं उन्हें एक दोस्त, मार्गदर्शक और सबसे प्रतिभाशाली विधायक के रूप में याद करता हूं। उन्होंने कहा कि हॉर्टमैन ने जनसेवा को अपना जीवन बनाया और उनकी नीतियों ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया।

गवर्नर वॉल्ज ने कहा, मेलिसा और मार्क के जीवन से हमें यह सीखना चाहिए कि हम राजनीति और जीवन में कैसे एक-दूसरे से पेश आएं। जोश के साथ लड़ें, लेकिन इंसानियत को न भूलें।

मेलिसा हॉर्टमैन की दो सप्ताह पहले एक हमले में हत्या कर दी गई थी, जिसमें उनका पति मार्क भी मारे गए थे। यह हमला एक ऐसे व्यक्ति ने किया जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उनके घर पहुंचा था। इसे राजनीतिक हत्या करार देते हुए जांच की जा रही है। इस हमले में एक राज्य सीनेटर और उनकी पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हुए थे।

हॉर्टमैन मिनेसोटा के इतिहास की पहली महिला थीं जिन्हें राजकीय सम्मान के साथ राज्य की संसद रोटुंडा में लेट इन स्टेट किया गया। यह पहली बार था जब किसी दंपति और उनके पालतू कुत्ते को भी यह सम्मान दिया गया। उनका गोल्डन रिट्रीवर 'गिल्बर्ट', जो हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ था, बाद में दर्द के चलते दया मृत्यु दी गई।

उल्लेखनीय है कि 2004 में पहली बार चुनी गई हॉर्टमैन ने मिनेसोटा विधानसभा में कई ऐतिहासिक विधेयकों को पारित कराने में अहम भूमिका निभाई। 2023 में उन्होंने लोकलुभावन एजेंडा को पास करवाया जिसमें सरकारी स्कूलों में मुफ्त भोजन, गर्भपात और ट्रांस अधिकारों का विस्तार जैसे प्रगतिशील कानून शामिल थे। 2025 में विधानसभा में बराबरी की संख्या (67-67) होने पर उन्होंने स्पीकर एमेरिटा का पद स्वीकार किया और राज्य सरकार को शटडाउन से बचाने के लिए बजट गतिरोध सुलझाने में अहम भूमिका निभाई।

कसौली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल सनवारा के तीन होनहार निशानेबाजों का राष्ट्रीय स्तर की ओपन ऑल इंडिया शूटिंग चैंपियनशिप के लिए चयन

<u>दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (कसौली)</u>

कसौली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, सनवारा के तीन होनहार विद्यार्थियों ने देहरादून में आयोजित इंडिया ओपन एनआर इवेंट्स शूटिंग प्रतियोगिता में अपनी लक्ष्य साधने की असाधारण क्षमता, मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय तथा समूचे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। तीनों विद्यार्थियों ने अपने शानदार स्कोर के दम पर राष्ट्रीय स्तर की ओपन ऑल इंडिया शूटिंग चैंपियनशिप में प्रवेश सुनिश्चित किया है।कक्षा ग्यारह के छात्र अंश कौशल ने दस मीटर एयर राइफल युवा पुरुष वर्ग में अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए 378/400 अंक अर्जित किए। उनका संयम, मजबूत फोकस और बेजोड़ निशाना इस बात का प्रमाण है कि वे भविष्य के एक उभरते हुए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज हैं।कक्षा सात के छात्र लक्ष्य कौशल ने उपयुवा पुरुष वर्ग में 376/400 अंक प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि उम्र प्रतिभा की सीमा नहीं होती।

चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे 5 पर आरटीओ की कार्रवाई

<u>दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (चंडीगढ़-शिमला)</u>

चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे 5 पर शुक्रवार को आरटीओ विभाग द्वारा नाका लगाकर वाहनों की चेकिंग की गई। इस दौरान करीब 25 वाहनों के चालान काटे गए, जिन्होंने मोटर वाहन अधिनियम के नियमों की अवहेलना की थी। एमवीआई जतिन मेहता ने की कार्रवाई एमवीआई जतिन मेहता की अध्यक्षता में यह चेकिंग अभियान आयोजित किया गया, जिसमें विदाउट सीट बेल्ट और टू व्हीलर पर विदाउट हेलमेट चलने वाले लोगों के चालान काटे गए। जतिन मेहता ने लोगों से आग्रह किया है कि वे जब भी गाड़ी चलाएं तो अपने डॉक्यूमेंट पूरे रखें, सीट बेल्ट लगाएं और रैश ड्राइव न करें।सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना जरूरी जतिन मेहता ने कहा कि टू व्हीलर पर चलने वाले लोग हमेशा हेलमेट पहनें, क्योंकि यह उनकी सेफ्टी के लिए है।

न्यूज फ्लैश

जसूर में अज्ञात शव मिलने से सनसनी

<u>दिव्य दिल्ली : विनय (नूरपुर)</u>

क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक की उम्र करीब 25 से 40 वर्ष के बीच आंकी गई है। इस बारे में जिला पुलिस अधीक्षक अशोक रत्न नूरपुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शव जसूर रेलवे ब्रिज से लगभग 200 मीटर आगे ग्रेली खड्ड में पाया गया। मौके पर मृतक के पास कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिले, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल नूरपुर भेजा गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को शिनाख्त हेतु धर्मशाला स्थित शव गृह के कोल्ड स्टोर में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को इस युवक के बारे में कोई जानकारी हो तो तुरंत नूरपुर थाना या नजदीकी पुलिस चौकी से संपर्क करें, ताकि मृतक की पहचान कर उसके परिजनों को सूचना दी जा सके। साथ ही नूरपुर थाना के अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से अनुरोध किया है कि अगर उनका कोई परिजन या जानने वाला पिछले कुछ दिनों से लापता है, तो अस्पताल पहुंचकर शव की पहचान करने में सहयोग करें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जब तक मृतक की पहचान नहीं होती, शव को शव गृह में संरक्षित रखा जाएगा।

फतेहपुर में अध्यापकों की एक कार्यशाला का आयोजन

<u>दिव्य दिल्ली : दौलत चौहान (ज्वाली कांगडा)</u>

सर्व शिक्षा अभियान के तहत संपर्क फाउंडेशन द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों को गणित विषय को सरल और प्रभावी ढंग से बच्चों को सिखाने के तरीके बताए गए। जिला समन्वयक सार्थक और मैडम अंकिता ने जानकारी दी कि इस कार्यशाला में राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को गणित के कठिन विषयों को आसान भाषा और तकनीकों के जरिये बच्चों तक पहुँचाने के प्रशिक्षण दिए गए।उन्होंने बताया कि संपर्क फाउंडेशन विभिन्न शिक्षा खंडों में इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित कर शिक्षकों को गणित विषय के बेहतर शिक्षण के टिप्स उपलब्ध करवा रहा है। इस अवसर पर खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी फतेहपुर बलबीर सिंह, शिक्षक ज्ञान सिंह, केबल सिंह, सतपाल सिंह, कुलबीर, अजय भारती, चैन सिंह, ज्योतिका, शिखा, देश राज समेत करीब 32 शिक्षक उपस्थित रहे।

हिमाचल के कांगडा जिले में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस,

<u>दिव्य दिल्ली : दौलत चौहान (कांगडा)</u>

हिमाचल प्रदेश पुलिस ने कांगड़ा में एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने टांडा मेडिकल कॉलेज के पास एक निजी गेस्ट हाउस में चल रहे देह व्यापार का पदार्फाश किया है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम को बीते कल गुप्त सूचना मिली थी कि टांडा मेडिकल कॉलेज रोड पर स्थित माउंटेन जेम गेस्ट हाउस में सेक्स रैकेट चल रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने प्लानिंग के आधार पर गेस्ट हाउस में दबिश देकर कार्रवाई की है। जांच में पाया गया है कि बाहरी राज्यों की लड़कियां इस कारोबार में शामिल थीं। मामले में पुलिस हाउस में टीम ने देह व्यापार करवाने वाली 35 वर्षीय महिला नीतू राजपूत-जो कि मनीमाजरा पंजाब की रहने वाली है को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी केअनुसार, पुलिस टीम ने ये कार्रवाई प्लानिंग के आधार पर की है। पुलिस टीम ने इस गेस्ट हाउस में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़ करने के लिए अपने दो लोगों को ग्राहक बनाकर गेस्ट हाउस में भेजा। इसके बाद जैसे ही ये दोनों लोग वहां पहुंचे तो - पुलिस ने दबिश दे दी।

राजकीय महाविद्यालय ज्वाली में दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम सम्पन्न

दिव्य दिल्ली : ऊषा जरियाल (ज्वाली)

राजकीय महाविद्यालय ज्वाली में दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार शर्मा के संरक्षण में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को योग एवं खेलों के महत्व, सोशल मीडिया की भूमिका, नशे के दुष्प्रभाव, क्रेडिट सिस्टम, मतदान प्रक्रिया, पर्यटन क्लब, समय सारिणी, कार्यालय एवं पुस्तकालय के सदुपयोग, तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई।रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो. सुलक्षण कुमार, प्रो. सनोज, डॉ. शशि कला, जुकेश कुमार एवं सुमेर नाथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. सुलक्षण कुमार ने किया तथा मंच संचालन डॉ. शशि कला ने निभाया। प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें, अनुशासन का पालन करें और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित करें, ताकि वे स्वयं, अपने माता-पिता और समाज की अपेक्षाओं पर खरे उतर सकें।

उपायुक्त कुल्लू, तोरुल एस. रवीश की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस/यूथ रेडक्रॉस सब-कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया।

<u>दिव्य दिल्ली : मनीष ठाकुर (कुल्लू)</u>

बैठक में उपायुक्त ने रेडक्रॉस के माध्यम से युवाओं को मानव सेवा से जोड़ने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में जूनियर रेडक्रॉस और यूथ रेडक्रॉस इकाइयों का गठन किया जाना चाहिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे और युवा इससे जुड़ सकें।

इससे न केवल उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा होगी, बल्कि वे आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और मानवीय सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति भी जागरूक बनेंगे। उपायुक्त ने कहा कि इन इकाइयों के गठन की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने जूनियर रेडक्रॉस/यूथ रेडक्रॉस उपसमिति का एक पोर्टल विकसित करने का सुझाव दिया, जिसमें इनकी सभी गतिविधियों का समावेश किया जा सके। बैठक में जिला स्तर पर बुक बैंक शुरू करने और रेडक्रॉस इकाइयों की रैंकिंग के आधार पर पुरस्कार योजना लागू करने पर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान बताया गया कि वर्तमान में जिला कुल्लू में कुल 47 जूनियर रेडक्रॉस/यूथ रेडक्रॉस इकाइयां कार्यरत हैं, जो विद्यालयों और महाविद्यालयों में सक्रिय हैं।

धर्मशाला में एनआईए की रेड, एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

<u>दिव्य दिल्ली : दौलत चौहान (हिमाचल नौरोजी रोड)</u>

धर्मशाला के नौरोजी रोड स्थित वार्ड नंबर-4 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठक्अ) की टीम ने तड़के छापा मारा। टीम ने मैक्लोडगंज के टेम्पल रोड पर संचालित एक कम्युनिकेशन सेंटर के मालिक के बैंक खातों और दस्तावेजों की गहन जांच की। एनआईए ने मौके से कई अहम दस्तावेज जब्त किए हैं और सेंटर संचालक सनी को गिरफ्तार किया है।सूत्रों के अनुसार, पिछले कई दिनों से खुफिया एजेंसियां सेंटर मालिक पर नजर बनाए हुए थीं। एनआईए की टीम चंडीगढ़ से सुबह करीब 4 बजे धर्मशाला पहुंची, जिसमें 10 से 12 अधिकारी शामिल थे। फिलहाल एनआईए ने अपनी प्रारंभिक जांच पूरी कर ली है।जानकारी के मुताबिक, आरोपी की पत्नी पहले भी सीमा पार लोगों को भेजने जैसी संदिग्ध गतिविधियों में शामिल रही है।

जांच में यह भी सामने आया है कि हाल ही में यह दंपती करीब 10 से 11 लाख अमेरिकी डॉलर लेकर भारत लौटे थे। भारत आने के बाद आरोपी ने धर्मशाला के आसपास तीन अलग-अलग स्थानों पर जमीन खरीदी, और इसी साल 2 मई को मैक्लोडगंज में मोबाइल और संचार उपकरणों की एक बड़ी दुकान खोली स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी पहले छोटी दुकान में काम कर गुजर-बसर कर रहा था, लेकिन अचानक इतनी बड़ी संपत्ति और कारोबार देखकर पड़ोसी भी हैरान हैं। बताया जा रहा है कि सनी पहले भी मैक्लोडगंज में मोबाइल की दुकान चलाता था।

350 चयनित बस रूटों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

दिव्य दिल्ली : (सोलन)

सोलन। परिवहन विभाग ने प्रदेश के 350 चयनित स्टेज कैरिज बस रूटों के संचालन हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 जुलाई, 2025 तक बढ़ा दी है। यह जानकारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सोलन कविता ठाकुर ने दी। पहले यह तिथि 30 जून तय थी, जिसे बढ़ाकर अब 14 जुलाई कर दिया गया है। चयनित रूटों की सूची और रूट आबंटन से जुड़ी नियमावली विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

धरने के 23वें दिन कटोरा और कथोली पंचायत की महिलाओं ने दिया संघर्ष समिति को समर्थन

<u>दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)</u>

विकास खंड बचाओ संघर्ष समिति के धरने के 23वें दिन महिला मंडल कटोरा, कथोली और सुकनाडा कथोली की महिलाओं ने धरना दिया और सरकार को चेतावनी दी कि यदि विकास खंड को ज्वाली स्थानांतरित किया गया, तो महिलाएं भी सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगी और जल्द ही दिन-रात धरना देने पर विवश हो जाएंगी। महिलाओं ने कृषि मंत्री से कहा कि इसी क्षेत्र की जनता ने उन्हें वोट देकर मंत्री बनाया है, और अब उसी जनता की भावनाओं की अनदेखी कर ब्लॉक का स्थानांतरण किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। मंत्री जी क्षेत्र के मतदाताओं के साथ धोखा नहीं कर सकते। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर नगरोटा सुरियाँ ब्लॉक के स्थानांतरण संबंधी अधिसूचना को रद्द करें।धरने में महिला मंडल करोरा से सपना देवी, सुनीता, संतोष, संदला देवी, पवना देवी, परमजीत कौर, रीता देवी तथा कथोली की प्रधान मोनिका सरोज, संतोष कुमारी, रेखा देवी, वीना देवी, सरोज पाठनिआ, सीमा देवी, अनीता कुमारी और निरंजना देवी शामिल हुईं।

प्रदेश में 350 चयनित बस रूटों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

<u>दिव्य दिल्ली : (सोलन)</u>

सोलन। परिवहन विभाग ने प्रदेश के 350 चयनित स्टेज कैरिज बस रूटों के संचालन हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 जुलाई, 2025 तक बढ़ा दी है। यह जानकारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सोलन कविता ठाकुर ने दी। पहले यह तिथि 30 जून तय थी, जिसे बढ़ाकर अब 14 जुलाई कर दिया गया है। चयनित रूटों की सूची और रूट आबंटन से जुड़ी नियमावली विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सोलन अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की नई दरों पर भाजपा शहरी अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता का तंज 'जनता की जेब पर डाका, सरकार की संवेदना खत्म'

<u>दिव्य दिल्ली : (सोलन)</u>

सोलन अस्पताल में ECG करवाने पर अब 30 रुपये और अल्ट्रासाउंड के लिए 150 रुपये का शुल्क मरीजों से वसूला जाएगा। यह निर्णय रोगी कल्याण समिति की बैठक में लिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री धनीराम शांडिल जी कर रहे थे सोलन की जनता ने उन्हें तीन बार विधायक बनाया उन्होंने हमेशा सोलन की जनता के साथ सौतेला व्यवहार किया जबकि उन्होंने यह फैसला प्रदेश स्तर पर ना लेकर केवल सोलन के अस्पताल पर लागू किया जिसकी भाजपा सोलन शहरी मंडल कड़े शब्दों में निंदा करता है यह शुल्क सीधे सोलन की जनता की जेब पर वार साबित होगा।इसी फैसले को लेकर भाजपा शहरी अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, "राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर जनता की जेब काटने में लगी है। एक ओर सरकार स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर हर छोटी जांच या सेवा के लिए शुल्क थोप दिए जाते हैं। यह गरीबों पर सीधा आर्थिक हमला है।"

जिला सोलन पुलिस की कार्रवाई

<u>दिव्य दिल्ली : (सोलन)</u>

सोलन पुलिस ने कुख्यात नशा तस्करों पर नकेल कसते हुए प्रिवेंटिव डिटेंशन यानी निवारक हिरासत की कार्यवाही की है। इसका उद्देश्य मादक पदार्थ तस्करी करने वाले आदतन अपराधियों को पुनः अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने से रोकना है। 6 आदतन अपराधियों को जेल में भेजा

गयाजिला पुलिस ने PIT

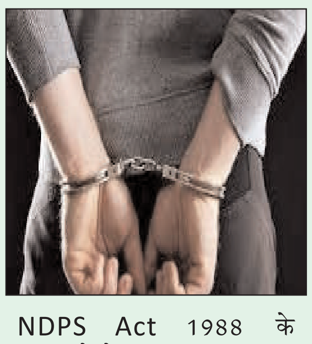

NDPS Act 1988 के प्रावधानों के अनुसार 6 आदतन अपराधियों को निवारक हिरासत में रखने की कार्यवाही की है। इन आरोपियों को 3 महीने के लिए जेल में भेजा गया है। एडवाइजरी बोर्ड ने बढ़ाई हिरासत अवधि एडवाइजरी बोर्ड ने हितेंदर कुमार उर्फ रिंकू की निवारक हिरासत अवधि में 3 महीने की वृद्धि की है, जिससे अब उन्हें कुल 6 महीने तक जेल में रहना होगा। यह निर्णय नशा प्रचलन/तस्करी की गंभीरता को देखते हुए लिया गया है।

विधान सभा अध्यक्ष ने बादल फटने तथा भारी बारिश से प्रदेश में हुई तबाही पर गहरी चिंता प्रकट की, कहा क्षति अपूर्णीय।

दिव्य दिल्ली : (शिमला)

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने पिछले तीन दिनों से प्रदेश के जिला मण्डी तथा अन्य कई जिलों में बादल फटने व भारी वर्षा से हुई तबाही पर गहरी चिंता प्रकट की है। पठानियां ने कहा कि यह अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई करना नामुमकिन है। उन्होने दुःख प्रकट करते हुए कहा कि प्रकृति के

कहर के आगे सब बेबस हैं लेकिन ऐसी स्थिती में खुद भी लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पठानियां ने कहा कि वह विशेषकर सराज घाटी, थुनाग, करसोग, सरकाघाट तथा जिला कुल्लू के सैंज में हुई भारी तबाही से बेहद दुःखी हैं। उन्होने कहा कि इस तबाही के बीच बहुत से लोगों ने अपनी जानें गवांई हैं तथा उनके घर तथा जमीन भी तबाह हुए हैं जो अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई करना बहुत मुश्किल है। पठानियां ने प्रदेश के लोगों तथा बाहर से आए पर्यटकों से ऐसी स्थिती में पूरा ऐहतियात बरतने की अपील की है तथा नदी- नालों से दूर रहने की सलाह दी है। उन्होने कहा कि किसी को कोई पता नहीं कहाँ बादल फट जाए तथा काल बनकर आपके सामने आ जाए, इसलिए अपने आप को सुरक्षित जगह रखना जरूरी है। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार संवेदनशील है तथा लोगों के पुर्नवास तथा राहत पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है।

नोरा फतेही

पहले जड़ा थप्पड़, फिर को-एक्टर ने खींचे इस एक्ट्रेस के बाल, जमकर हुई थी लड़ाई

आज हम आपसे बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस के बारे में बात कर रहे हैं जो कुछ सालों पहले कनाडा से भारत आई थीं. यहां वो अपने साथ कई सपने भी लाई थीं और अब उनका एक बड़ा और खास नाम बन चुका है. कनाडा से महज 5 हजार रुपये लेकर भारत आने वाली वो लड़की है नोरा फतेही. जो आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. नोरा फतेही आज करियर में अच्छे खासे मुकाम पर हैं, लेकिन उन्हें कड़े स्ट्रगल का सामना करना पड़ा है.

नोरा फतेही के लटके झटकों पर फैंस दिल हार जाते हैं. उनके डांस मूव्स को काफी पसंद किया जाता है. लेकिन, एक बार एक एक्टर ने नोरा फतेही के साथ काफी बदतमीजी की थी. उसने नोरा के साथ पहले बदतमीजी की थी और फिर थप्पड़ भी मार दिया था. फिर उनके बाल भी खींच लिए थे. नोरा भी पीछे नहीं हटी और उन्होंने भी को-एक्टर को तमाचा रसीद कर दिया था. इसके बाद दोनों के बीच जमकर लड़ाई हुई थी. ये किस्सा खुद नोरा ने शेयर किया था.

बदतमीजी की तो नोरा ने मारा थप्पड़

एक बार नोरा फतेही, जयदीप अहलावत और आयुष्मान खुराना जैसे एक्टर्स के साथ मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो पर पहुंची थीं. तब कपिल ने नोरा से पूछा था, आप जितने भी शूट पर जाती हैं कभी सही तरीके से हुआ कोई ? कोई न कोई तो पंगा होता है ? इस पर नोरा ने कहा था, ऑडियंस और फैंस के साथ तो नहीं, लेकिन को-एक्टर के साथ हुआ है.

मेरी पहली फिल्म में हम सेट पर थे और हम सुंदरबन में शूट कर रहे थे बांग्लादेश में एक दम जंगल में. एक को-एक्टर था उसने मेरे साथ बदतमीजी की तो मैंने उसे थप्पड़ मार दिया था.

फिर को-एक्टर ने मारा थप्पड़, बाल खींचे

नोरा ने आगे बताया था कि बदतमीजी करने के बाद भी को-एक्टर ने उनके साथ बुरा बर्ताब किया था और उन्हें वापस थप्पड़ मार दिया. एक्ट्रेस ने आगे कहा था, तो उसने भी मुझे थप्पड़ मार दिया था. फिर मैंने उसे दोबारा थप्पड़ मारा तो उसने मेरे बाल खींच लिए थे. मैंने भी खींचे. तो फिर बहुत गंदा वाला झगड़ा हुआ.

12वीं क्लास में ही हीरोइन बन गई थीं माधुरी दीक्षित, फिर देखे थे इतने बुरे दिन

माधुरी दीक्षित न सिर्फ अपने दौर की बल्कि भारतीय सिने इतिहास की सबसे पसंदीदा और कामयाब एक्ट्रेस में से एक रही हैं. अपनी एक्टिंग के साथ ही माधुरी ने फैंस के दिलों पर अपनी खूबसूरती और डांस से भी राज किया था. 90 के दशक तक माधुरी स्टार बन चुकी थीं. हालांकि अपने करियर की शुरुआत उन्होंने 80 के दशक के बीच में ही कर दी थी. लेकिन, सफलता पाने के लिए शुरुआती चार-पांच सालों तक संघर्ष करना पड़ा था.

माधुरी दीक्षित को 'धक धक गर्ल' के नाम से भी जाना जाता है. साल 1984 में उन्होंने अपना डेब्यू किया था. माधुरी स्कूल के दिनों के दौरान ही एक्ट्रेस बन गई थी. शुरू से ही कथक में माहिर रहीं माधुरी को बतौर एक्ट्रेस बॉलीवुड में शुरुआती समय में ज्यादा दिक्कतें नहीं हुईं, लेकिन उन्हें पहचान मिलने में लंबा वक्त लग गया था. उनकी शुरुआती 6 फिल्में एक के बाद एक टिकट खिड़की पर पिट गई थीं.

12वीं क्लास में की डेब्यू फिल्म की शूटिंग

58 साल की माधुरी दीक्षित का जन्म 15 मई 1967 को मुंबई में हुआ था. माधुरी ने बॉलीवुड में डेब्यू साल 1984 की फिल्म 'अबोध' से किया था. इसकी शूटिंग उन्होंने 12वीं क्लास की एग्जाम के बाद गर्मियों की छुट्टी में की थी. लेकिन, करियर की शुरुआत में ही उनका सामना अपने सबसे बुरे दिनों से हो गया था.

लगातार फ्लॉप हुई 6 फिल्में

माधुरी दीक्षित की पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं बिखेर सकी. हालांकि उनके अभिनय को लोगों ने पसंद किया था. फ्लॉप का सिलसिला आगे की चार फिल्मों के साथ भी जारी रहा. डेब्यू पिक्चर के पीटने के बाद माधुरी की चार और फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ दिया था. इनमें 'स्वाति', 'मानव हत्या', 'हिफाजत', 'आवारा बाप' और 'उत्तर दक्षिण' शामिल हैं.

'दयावान' और 'तेजाब' ने दिलाई पहचान

लगातार 6 फ्लॉप का मुंह देखने के बाद माधुरी की झोली में एक के बाद एक दो बड़ी फिल्में गिरी थीं. एक थी 'दयावान' और दूसरी थी 'तेजाब'. दोनों को ही बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिली. दयावान में उन्होंने उम्र में 21 साल बड़े विनोद खन्ना के साथ काम किया था. ये सुपरहिट थी. वहीं तेजाब ब्लॉकबस्टर निकली, जिसमें उन्होंने अनिल कपूर के साथ काम किया. इसके बाद माधुरी स्टार और फिर सुपरस्टार भी कहलाईं.

ऐश्वर्या-अमिताभ और जया बच्चन के साथ एक घर में रहने पर अभिषेक का खुलासा, कहा- महसूस नहीं हुआ...

अभिषेक बच्चन, जिन्होंने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे किए हैं, फिलहाल वह अपनी अगली फिल्म कालीधर लापता की रिलीज को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. इस फिल्म का प्रीमियर 4 जुलाई, 2025 को ZEEz पर होगा. अभिषेक अपनी फिल्म को लगातार प्रमोट करते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं जूम को दिए इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने अपनी फैमली लाइफ और इनटेंस किरदारों को निभाते हुए इमोशन्स को बैलेंस करने के बारे में बताया.जहां कई अभिनेता किरदार में ढलने के लिए खुद को एकांत में डुबो लेते हैं, वहीं अभिषेक थोड़ा अलग रास्ता अपनाते हैं. उन्होंने कहा, मैंने कभी भी खुद को खोया हुआ या हर चीज़ से दूर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं की. मैं लोगों से मिलने-जुलने वाला व्यक्ति हूं. मेरे पास ऐसे पल होते हैं जब मुझे अपने एकांत की ज़रूरत होती है. यह एक अभिनेता के लिए बहुत ज़रूरी है. लेकिन ज़्यादा समय के लिए नहीं. मुझे बात करने के लिए किसी की ज़रूरत होती है.

ज्वाइंट फैमली में साथ रहना कैसा होता है ?

अभिषेक एक स्टार-स्टडेड ज्वाइंट फैमली में रहते हैं, जिसमें उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन, पिता अमिताभ बच्चन, माँ जया बच्चन और बेटी आराध्या बच्चन शामिल हैं. जब उनसे घर की गतिशीलता के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक मनोरंजक लेकिन व्यावहारिक बात कही यह मज़ेदार है. मेरा घर बहुत मज़ेदार है, और हम सभी एक्टर्स हैं. हम सभी एक साथ घूमना पसंद करते हैं, और फिर अचानक हर कोई अपने पर्सनल स्पेस पर वापस चला जाता है.

मैं अकेला नहीं रहना चाहता- अभिषेक

एक्टर ने आगे कहा, यह स्वाभाविक रूप से आता है क्योंकि अभिनेताओं के लिए खुद के साथ समय बिताना और खुद को जानना महत्वपूर्ण है. आत्म-खोज एक ऐसी चीज है जो हम शायद ही कभी करते हैं. यह आवश्यक है, लेकिन मैं कभी भी अकेला नहीं रहना चाहता.

अभिषेक, जिन्होंने 2000 में करीना कपूर के साथ रिफ्यूजी में अपनी शुरुआत की थी, वह इस वक्त कई मुश्किल-मुश्किल किरदार निभाते हुए नजर आ रहे हैं. कालीधर लापता, एक मनोरंजक थ्रिलर फिल्म है. इसके ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पंसंद किया है. अब इसकी डिजिटल रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार हो रहा है.

असल में थोड़ी न बाप हूं...

फातिमा सना शेख

की कास्टिंग पर आमिर खान का खुलासा, कहा- वो इतने मुर्ख नहीं हैं

बेहतरीन स्क्रिप्ट चुनने के लिए मशहूर एक्टर आमिर खान की 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' एक चौंकाने वाली गलती साबित हुई. अपने बड़े बजट और स्टार पावर के बावजूद, यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी. आमिर की इस फिल्म से सभी को निराशा हाथ लगी. काफी वक्त गुजर जाने के बाद अब सुपरस्टार ने खुलकर इस फिल्म के फ्लॉप होने को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि क्या-क्या गलत हुआ, कास्टिंग में दिक्कत से लेकर स्क्रिप्ट में बड़े बदलाव तक, जिससे वह निराश हो गए थे.

द लल्लनटॉप से बात करते हुए आमिर ने बताया कि फीमेल लीड रोल के स्पेस को भरना आसान नहीं था. फातिमा सना शेख के आने से पहले कई टॉप एक्ट्रेस ने इसे ठुकरा दिया था. उन्होंने बताया, जब हम इसके लिए कास्टिंग कर रहे थे, तो किसी और फीमेल एक्टर ने इस रोल के लिए हां नहीं कहा. दीपिका, आलिया, श्रद्धा, सभी ने मना कर दिया. पूरी इंडस्ट्री को यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन कोई भी इसे करना नहीं चाहता था.जब उनसे पूछा गया कि क्या स्क्रिप्ट की क्वालिटी इसकी वजह थी, तो आमिर ने माना कि ये भी एक वजह हो सकती है.

'दंगल' में निभाया था फातिमा के पिता का रोल

जब फातिमा को कास्ट किया गया, तो एक और चिंता पैदा हुई ङ्क उनकी ऑन-स्क्रीन गतिशीलता. 'दंगल' में उनके पिता की भूमिका निभाने के बाद, आमिर से अब उनके प्रेमी की भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी. डायरेक्टर ने रोमांटिक कहानी को पूरी तरह से हटाने का फैसला किया. उनका कहना था, हम आपके और उनके बीच कोई रोमांटिक ट्रैक नहीं रखेंगे क्योंकि दंगल में वह आपकी बेटी थी, वह यहां आपकी प्रेमिका की भूमिका कैसे निभा सकती है ? दर्शक इसे अस्वीकार कर देंगे.

मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं- आमिर

लेकिन आमिर इस तर्क से पूरी तरह असहमत थे. उन्होंने कहा, मैं इन सब बातों पर यकीन नहीं करता. मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं, और असल में मैं उसका ब्वॉयफ्रेंड हूं. हम लोग फिल्म बना रहे हैं भाई. दर्शक इतने मूर्ख नहीं हैं कि वे सोचेंगे कि वह असली पिता है. अगर हम ऐसा कहते हैं तो हम अपने दर्शकों को कम आंक रहे हैं.

न्यूज फ्लैश

बीएसएनल ने हिमाचल में किया भारतनेट कार्यक्रम का शुभारंभ ।ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ेगा नेटवर्क 4 जुलाई 2025

दिव्या दिल्ली- (सोलन)

ग्रामीण डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते गऐ है भारत संचार निगम लिमिटेड बीएसएनएल ने हिमाचल प्रदेश में संषोधित भारत नेट कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया । इस कार्यक्रम का शिलान्यास सोलन जिला के धर्मपुर ब्लाक में आयोजित किया गया । यह जानकारी बीएसएनएल के सर्कल मैनेजर अनिल कुमार गुप्ता ने आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी ।बीएसएनएल के सर्कल जनरल मैनेजर अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के लिए भारतनेट कार्यक्रम का शुभारंभ धर्मपुर से किया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में इस योजना पर दो हजार 450 करोड़ रुपये व्यय होगा। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी 91 ब्लॉक व 3915 ग्राम पंचायतों को भारतनेट से जोडा जायेगा ।जिसके अंतर्गत प्रत्येक पंचायत में न्यूनतम पांच आँपटिकल फाईबर लगाये जायेगे। जिसकी स्पीड भी बेहतर होगा ।इसे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा

उपभोक्ता विद्युत बकाया बिलों का शीघ्र करें भुगतान

दिव्या दिल्ली- (सोलन)

हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड ने सोलन के विद्युत उपमंडल नम्बर 01 के उन उपभोक्ताओं से अपने विद्युत बकाया बिलों का शीघ्र भुगतान करने का आग्रह किया है जिन्होंने अभी तक अपने बिल जमा नहीं करवाए हैं।

यह जानकारी सोलन विद्युत उपमंडल नम्बर 01 के सहायक अभियंता ने दी। उन्होंने कहा कि ऐसे उपभोक्ताओं को नोटिस जारी कर दिए गए हैं जिन्होंने अभी तक अपने विद्युत बिल जमा नहीं करवाए हैं। उन्होंने कहा कि भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति काट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लग गए हैं, को बिलिंग कर्मचारी द्वारा प्रिंटेड बिल नहीं दिया जाएगा। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया

बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे

दिव्या दिल्ली- मनीष ठाकुर (कुल्लू)

जिला कुल्लू के बचत भवन में विभिन्न विकास खंडों के माध्यम से संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त, अश्वनी कुमार ने की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन परियोजना अधिकारी डीआरडीओ जयवंती ठाकुर ने किया। अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन योजनाओं के तहत कार्य प्रगति पर हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को समय पर लाभ मिल सके। साथ ही, नए एवं लंबित कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए ठोस योजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब वे धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू हों। इसके लिए विकास खंड स्तर पर सक्रिय निगरानी, नियमित फील्ड विज़िट और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में योजनाओं के कार्यान्वयन की नियमित समीक्षा करें और समय-समय पर रिपोर्ट जिला प्रशासन को प्रस्तुत करें। एडीसी ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की और प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की। बैठक में मनरेगा, जियो टैगिंग, अपूर्ण कार्यों की स्थिति, सोशल ऑडिट रिपोर्ट, समय पर भुगतान, कृषि एवं संबद्ध कार्य, कार्य दिवस सृजन, प्रधानमंत्री आवास योजना में भौतिक प्रगति एवं ई-केवाईसी की स्थिति, मुख्यमंत्री आवास योजना की नई स्वीकृतियाँ व किसानों की स्थिति की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, क्रेडिट मोबिलाइजेशन, हिम ईरा स्टोर, मॉडल सेल्फ हेल्प ग्रुप की प्रगति,विकास खंड वार निरीक्षण, अमृत सरोवर की स्थिति, सामुदायिक सर्विस सेंटर की प्रगति, पंचायत घरों के निर्माण हेतु भूमि उपलब्धता व अनुदान, आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण, शौचालयों का रखरखाव, मनरेगा से निमार्णाधीन आंगनवाड़ी भवनों की स्थिति की समीक्षा की गई।

आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश में जिला कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन का आयोजन

दिव्या दिल्ली- मनीष ठाकुर (कुल्लू)

04 जुलाई 2025 को आम आदमी पार्टी, हिमाचल प्रदेश द्वारा कुल्लू जिले में एक महत्वपूर्ण जिला कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन प्रदेश में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।इस महत्वपूर्ण संवाद सम्मेलन की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश के प्रदेश प्रभारी ऋतुराज गोविंद झा ने की। उनके साथ सह-प्रभारी विजय फुलारा और प्रदेश अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर विशेष रूप से इस अवसर पर मौजूद रहे। सम्मेलन में केंद्रीय टीम के 18 सदस्यों ने भी भाग लिया, साथ ही कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया और संगठनात्मक मजबूती के लिए अपने अनुभव साझा किया। इस अवसर पर, कुल्लू जिला अध्यक्ष शेर सिंह नेगी ने सभी कार्यकताओं का हार्दिक स्वागत किया और हिमाचल प्रदेश में आम आदमी पार्टी के बढ़ते जनाधार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था से त्रस्त है और आम आदमी पार्टी एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभर रही है। प्रदेश प्रभारी ऋतुराज गोविंद झा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश में ईमानदार और स्वच्छ राजनीति स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से एकजुट होकर पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

सह-प्रभारी विजय फुलारा और प्रदेश अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया और आगामी चुनावों के लिए पूरी लगन से काम करने का आह्वान किया।

पैन इंडिया मेडीएशन अभियान 01 जुलाई से देश में संचालित किया जा रहा

दिव्या दिल्ली- मनीष ठाकुर (कुल्लू)

सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, कुल्लु , आभा चौहान ने जानकारी दी है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा पैन इंडिया मेडीएशन अभियान 01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक पूरे देश में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य देशभर के न्यायालय (तालुका से लेकर उच्च न्यायालय तक) में लंबित उपयुक्त मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से जल्दी, सस्ता और पारदर्शी ढंग से हल करना है।मध्यस्थता एक तेज, प्रभावी, सस्ती और गोपनीय प्रक्रिया है,जिसमें विवादों को न्यायालय के बाहर, आपसी समझौते द्वारा सुलझाया जाता है। अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावे , घरेलू हिंसा अधिनियम के अंतर्गत मामले,धारा 138, परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत चेक बाउंस के मामले,वाणिज्यिक विवाद, से संबंधित मामले, समझौता योग्य आपराधिक मामले,उपभोक्ता विवाद, अन्य उपयुक्त सिविल (दीवानी) मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी, समझौते की संभावना हो सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, कुल्लु ने समस्त जिला कुल्लू की आम जनता से अपील की है कि यदि उनका कोई उपरोक्त विवाद न्यायालय में लंबित है तो कृपया उसे सुलझाने के लिए मध्यस्थता का लाभ उठाऐं।

नगरोटा सूरियां विकासखंड के शिफ्ट होने पर उठे सवाल

दिव्या दिल्ली- प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

नगरोटा सूरियां के ऐतिहासिक विकासखंड को जवाली स्थानांतरित किए जाने के सरकार के फैसले ने स्थानीय जनता, खासकर कांग्रेस समर्थकों के बीच काफी असंतोष है। क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता जहां इस निर्णय को जनभावनाओं के खिलाफ मानते हैं, वहीं वे यह भी सवाल उठा रहे हैं कि पार्टी के भीतर उनके इस विरोध को पर्याप्त समर्थन ज्वाली व कोटला पार्टियों के कांग्रेस कार्यकताओं से नहीं मिल रहा है।नगरोटा सूरियां, कोटला और ज्वाली , ये तीन पट्टियाँ मिलकर जवाली विधानसभा क्षेत्र की सामाजिक और राजनीतिक पहचान बनाती हैं। विधानसभा चुनावों के समय नगरोटा सूरियां पट्टी को इसलिए निर्णायक माना गया था क्योंकि विपक्ष का उम्मीदवार नगरोटा सूरियां पट्टी से था। तब ज्वाली व कोटला कांग्रेस नेतृत्व का यह कहना था कि यदि कांग्रेस को नगरोटा सूरियां पट्टी से 35% तक वोट मिल जाएं , तो जीत सुनिश्चित है।

बीते चुनाव में नगरोटा सूरियां ने कांग्रेस को 39% से अधिक समर्थन देकर इस विश्वास को सही साबित किया, जबकि अन्य पार्टियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला।अब जब नगरोटा सूरियां का वर्षों पुराना विकासखंड इस पट्टी के कार्यकताओं को बिना विश्वास में लिए जवाली स्थानांतरित कर दिया गया है, तो नगरोटा सूरियां पट्टी के कार्यकताओं को यह निर्णय न केवल अनुचित लग रहा है, बल्कि उन्हें इस बात का भी मलाल है कि चुनावों के समय उनके साथ खड़े रहने वाले ज्वाली व कोटला के कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता अब इस मसले पर चुप क्यों हैं।स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं का कहना है कि वे लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग उठा रहे हैं, लेकिन जवाली व कोटला पट्टी के कांग्रेस जनप्रतिनिधि इस जनभावना को गंभीरता से नहीं ले रहे। उनका आरोप है कि यह चुप्पी कांग्रेस की विचारधारा – जनसुनवाई, समानता और सहभागिता – के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है।नगरोटा सूरियां से जुड़े वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकताओं का मानना है कि"हमने चुनावों में कांग्रेस को पूरी ताकत से समर्थन दिया। आज जब हम अपने ऐतिहासिक अधिकार की बात कर रहे हैं

अब वर्ष के चार महीने में बनेंगे हिम केयर कार्ड

दिव्या दिल्ली- (सोलन)

प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित स्वास्थ्य योजना हिमकेयर के अंतर्गत अब नए कार्डों का पंजीकरण वर्ष में मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर माह में किया जाएगा। जुलाई, 2025 में भी नए कार्ड पंजीकृत करने की प्रक्रिया जारी रहेगी। यह जानकारी आज यहां मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अजय पाठक ने दी।डॉ. अजय पाठक ने कहा कि हिम केयर कार्ड का नवीनीकरण वैध तिथि के 30 दिनों के भीतर कराना होगा। कार्ड की वैधता एक वर्ष के लिए होगी। उन्होंने कहा कि हिमकेयर योजना के अंतर्गत लोक मित्र केन्द्र या सामान्य सेवा केन्द्र में नामांकन करने और दस्तावेजों को अपलोड करने के लिए लाभार्थी से प्रीमियम के अतिरिक्त 50 रुपए का शुल्क लिया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि हिमकेयर योजना के अंतर्गत लोकमित्र केन्द्रों, साइबर कैफे में कार्ड बनवाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आवेदक स्वयं वेबसाइट पर स्मार्ट कार्ड बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपना आधार कार्ड, राशन कार्ड, मोबाईल नम्बर और श्रेणी प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। लोक मित्र केन्द्र एवं साइबर कैफे में भी इन दस्तावेजों को अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदक को निर्धारित प्रीमियम का भुगतान भी करना होगा।

डॉ. पाठक ने कहा कि हिमकेयर योजना के तहत पंजीकृत अस्पताल में दाखिल होने पर परिवार को 05 लाख रुपए तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलती है ।लाभार्थी प्रदेश में हिमकेयर कार्ड के तहत पंजीकृत सरकार अस्पतालों के अतिरिक्त पी.जी.आई चण्डीगढ़ औरअखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान (एम्स) बिलासपुर में भी निःशुल्क उपचार सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकृत निजी अस्पतालों में (केवल डायलिसिस रोगियों के लिए) भी निःशुल्क उपचार की सुविधा है।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत विभिन्न गंभीर व आम रोगों का उपचार सम्मिलित है।

पुराने वाहनों की धरपकड़ से गाड़ियों के दामों में 40 -50% की गिरावट - CTI चेयरमैन

दिव्य दिल्ली : दिल्ली में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) के चेयरमैन और ऑटोमोबाइल सेक्टर के व्यवसायी बृजेश गोयल का दावा है कि दिल्ली में सेकेंड हैंड कारों के बिजनेस में भारी गिरावट आई है, यहां के करीब 60 लाख वाहनों पर इसका असर पड़ा है। तेजी से इनके दाम नीचे आए हैं। पिछले 5 दिनों में सेकेंड हैंड कारों के दाम में 40 से 50 प्रतिशत कमी आई है। पेट्रोल पंपों पर हुई यानी तय आयु सीमा पार कर चुके वाहनों की धड़पकड़ से अफरा-तफरी की स्थिति हुई

है,बृजेश गोयल ने कहा कि दिल्ली के कारोबारी औने-पौने दामों पर सेकेंड हैंड कार बेचने को मजबूर हैं। यहां से पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों में सेकेंड हैंड कार जाती हैं ।करोल बाग, प्रीत विहार, पीतमपुरा, मोती नगर जैसी इलाकों में 1000 से ज्यादा व्यापारी सेकेंड हैंड कारों की खरीद-फरोख्त करते हैं। बृजेश ने बताया कि कीमती और लग्जरी सेकेंड हैंड कारें जो 6-7 लाख रुपये में जाती थीं, वो बामुश्किल 4-5 लाख रुपये में बिक रही हैं। जमकर मोलभाव हो रहा है। बाहर के खरीदारों को दिल्ली के व्यापारियों की मजबूरी समझ आ रही है। कार डीलर्स का आरोप है कि दिल्ली में चलने वाले वाहनों की अवधि पूरी होने पर दूसरे राज्यों में बेचने पर परिवहन विभाग से एनओसी आसानी से मिल जाती थी लेकिन अब इसमें भी परेशानी आ रही है।

ऋग्वेद परायण महायज्ञ और वेद कथा का शुभारंभ कल से

दिव्या दिल्ली- विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर आत्म प्रज्ञा आश्रम बागनी नूरपुर में ऋग्वेद पारायण महायज्ञ और वेद कथा का आयोजन 6 जुलाई से लेकर 13 जुलाई तक चलेगा ' ऋग्वेद ज्ञान का एक कांड है ' इस संसार में बिना ज्ञान के कोई भी कर्म नहीं किया जा सकता ' हमारा सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद है इसमें मन्त्रों की संख्या 10589 है ' ईश्वर की व्यवस्था को समझने के लिए सृष्टि व्यवस्था को समझने के लिए जीवन को उत्तम बनाने के लिए हमें वेदों की शरण में आना ही पड़ेगा । सारे दुःखों से छूटने का एकमात्र आधार वेद ही है।

रायसन में 23 लाख की लागत से निर्मित पशु चिकित्सालय की ऑपरेशन थिएटर यूनिट का उद्घाटन

दिव्या दिल्ली- मनीष ठाकुर (कुल्लू)

विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने मनाली विधानसभा के रायसन में 23 लाख की लागत से निर्मित पशु चिकित्सालय की ऑपरेशन थिएटर यूनिट का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार प्रदेश में हर एक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है तथा सरकार समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए भरसक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है। हम डेयरी क्षेत्र से जुड़े किसानों की आय बढ़ाना चाहते हैं, इसलिए राज्य सरकार ने गाय के दूध के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 51

रुपये प्रति लीटर और भैंस के दूध के लिए 61 रुपये प्रति लीटर किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के प्रयासों से पिछले तीन वर्षों में मिल्कफेड की दूध खरीद में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने यहां के लोगों को पशु चिकित्सालय के उद्घाटन पर बधाई दी और कहा कि ऑपरेशन थियेटर के शुरू होने से यहां बड़े पशुओं के ऑपरेशन होंगे जोकि यहां के लोगों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है।उन्होंने रायसन पशु चिकित्सालय के चारों ओर चारदीवारी निर्माण के लिए प्रावधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने अपने विधायक निधि से 3 लाख रुपये की राशि मैदान को समतल करने के लिए तथा 3 लाख की राशि पशु चिकित्सालय में हाइड्रॉलिक लिफ्ट के लिए प्रदान करने की घोषणा की ताकि बड़े पशुओं के इलाज कि बेहतर सुविधा मिल सके ।उन्होंने कहा कि सरकार कलाथ से लेकर वाशिंग तक व्यास नदी के तटीकरण का कार्य तेजी से कर रही है यह कार्य 70 करोड़ रुपये खर्च कर पूर्ण किया जा रहा है। इस अवसर पर सहायक निदेशक पशुपालन विभाग डॉक्टर संजय ठाकुर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। स्थानीय पंचायत प्रधान प्रेमचंद ने, विनोद भार्गव ने भी अपने विचार रखे। डॉ अस्मिता आनन्द ने उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर कांग्रेस के देवेंद्र नेगी, फ्रूट ग्रोवर संगठन के अध्यक्ष प्रेम शर्मा, जिला परिषद सदस्य दीपिका, पंचायत प्रधान चित्रलेखा भार्गव रायसन के प्रधान करमचंद, पशुपालन विभाग के डॉ आशा ठाकुर, डॉ रणधीर सिंह, तथा हिमाचल प्रदेश पैरावेट संगठन के संजीव भारद्वाज सहित स्थानीय पंचायत के अन्य प्रतिनिधि तिनिधि, हीरालाल विभु, चमन लाल तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेशनल प्रेस्टीज अवॉर्ड 2025 में 'क्लासी क्लिक्स' को मिला सर्वश्रेष्ठ वेडिंग फोटोग्राफर ऑफ द ईयर का खिताब

दिव्य दिल्ली : नेशनल प्रेस्टिज अवॉर्ड 2025 का भव्य आयोजन इस वर्ष राजधानी में यूनिवर्सल मीडिया के सौजन्य से किया गया, जहां देशभर की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को उनके क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित मंच पर 'क्लासी क्लिक्स' के नाम से प्रसिद्ध वेडिंग फोटोग्राफर @classyclicksp को "बेस्ट

वेडिंग फोटोग्राफर ऑफ द ईयर 2025" के अवार्ड से नवाजा गया।यह अवॉर्ड बॉलीवुड की लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री और विशिष्ट अतिथि ईशा देओल के हाथों प्रदान किया गया। ईशा देओल ने अपने करिश्माई अंदाज में मंच पर उपस्थित सभी कलाकारों, उद्यमियों और पेशेवरों को बधाई देते हुए कहा कि यह मंच प्रतिभा और परिश्रम का वास्तविक उत्सव है।

उन्होंने 'क्लासी क्लिक्स' की फोटोग्राफी की तारीफ करते हुए कहा कि हर तस्वीर जैसे भावनाओं को जीती हुई प्रतीत होती है।क्लासी क्लिक ने शादी जैसे विशेष और व्यक्तिगत क्षणों को जिस बारीकी, कलात्मकता और तकनीकी दक्षता से कैमरे में कैद किया है, वह उन्हें इस क्षेत्र में अग्रणी बनाता है।

जिला दिव्यांगता एवं पुनर्वास केंद्र, जरूरतमन्द व्यक्तियों के लिये सेवा माध्यम: उपायुक्त

दिव्या दिल्ली- मनीष ठाकुर (कुल्लू)

उपायुक्त, कुल्लू तोरुल एस रवीश की अध्यक्षता में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, कुल्लू की गतिविधियों की समीक्षा बैठक की गई। उपायुक्त ने जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के कार्यों की समीक्षा करते हुए केंद्र द्वारा दिव्यांगजनों के हित में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र समाज के विशेष जरूरतों वाले व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण सेवा माध्यम है और इसकी भूमिका सराहनीय रही है। डीसी ने कहा कि पुनर्वास केंद्र द्वारा श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, कृत्रिम अंग, फिजियोथेरेपी सेवाएं, काउंसलिंग, शिक्षा एवं रोजगार परामर्श जैसी सुविधाएं जरूरतमंदों को उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जो दिव्यांगजनों के आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में उपयोगी कदम हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस केंद्र की पहुँच ग्रामीण व दूरदराज क्षेत्रों तक सुनिश्चित की जाए ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी इसका लाभ ले सकें। उन्होंने सामुदायिक जागरूकता शिविरों के आयोजन की आवश्यकता पर भी बल दिया ताकि समाज में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने ने आश्वासन दिया कि प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा,ताकि पुनर्वास केंद्र और अधिक प्रभावी, सुलभ एवं परिणाममुखी बन सके।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397